• जयपुर, गुरुवार 21 मई 26 • वर्ष 15 • अंक 204 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 विपक्ष गैस और पेट्रोल को लेकर अनावश्यक भ्रम फैलाकर कर रहा है केवल ...

पेज @4 दलित मां-बेटी पर जानलेवा हमलाः दलित अधिकार केन्द्र की जांच में पुलिस लापर...

पेज @8 प्रदेश में आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा ध्वस्त : डोटासरा...

भारत का अचूक 'सूर्यास्त्र'

नयी दिल्ली/एजेंसी। भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है. भारत ने अपने अचूक 'सूर्यास्त्र' रॉकेट का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है. रॉकेट सिस्टम का प्रदर्शन बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में किया गया. यह भारत का स्वदेशी रॉकेट सिस्टम है. सूर्यास्त्र को एक प्राइवेट डिफेंस कंपनी नाइब लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है. इस रॉकेट की सबसे बड़ी खासियस इसकी अचूक मारक क्षमता है. यह रॉकेट दुश्मन के बंकरों, कमांड सेंटरों और सैन्य ठिकानों को पिन-पॉइंट सटीकता के साथ पूरी तरह नष्ट कर सकता है.

बंगाल के फलता विधानसभा पर पुनर्मतदान आज, सभी तैयारियां पूरी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर गुरुवार, 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान के लिए चुनाव आयोग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में कथित छेड़छाड़ और मतदान प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के बाद पूरे विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कराया जा रहा है। आयोग ने इस बार सुरक्षा, निगरानी और प्रशासनिक सतर्कता को लेकर अभूतपूर्व व्यवस्था की है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार फलता विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,36,444 मतदाता हैं। इनमें

● **285 बूथों पर होगी वोटिंग, 2,36,444 मतदाता करेंगे वोट**

1,21,300 पुरुष, 1,15,135 महिला और 9 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा 93 सेवा मतदाता भी हैं। 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 4343 युवा मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक आयु के 1445 मतदाता तथा 100 वर्ष से अधिक आयु के 26 मतदाता भी दर्ज हैं। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 2109 है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, पुनर्मतदान के लिए कुल 285 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 261 मुख्य और 24 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। चुनाव मैदान में कुल 6 उम्मीदवार हैं और सभी पुरुष उम्मीदवार हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस बार प्रत्येक मतदान केंद्र पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 8 जवान तैनात किए जाएंगे, जो एक पूर्ण सेक्शन के बराबर होंगे। 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान प्रत्येक बूथ पर केवल चार जवान तैनात थे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना को खत्म करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को लगभग दोगुना किया गया है।

केंद्रीय बलों की लगभग 35 कंपनियां रहेंगी तैनात

फलता विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय बलों की लगभग 35 कंपनियां तैनात रहेंगी। इसके अलावा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए 30 त्वरित प्रतिक्रिया दल भी सक्रिय रहेंगे। आयोग ने मतदान केंद्रों के भीतर दो-दो वेब कैमरे और बाहर एक कैमरा लगाने का फैसला किया है। मतदान प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से की जाएगी। ड्रोन निगरानी पर भी विचार किया जा रहा है। आयोग ने पुनर्मतदान की निगरानी के लिए तीन विशेष चुनाव पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। राज्य पुलिस ने भी मतदान से पहले कई इलाकों में अभियान चलाकर कई लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें फलता पंचायत समिति के उपाध्यक्ष सैदुल खान भी शामिल हैं।

सबसे चर्चित और विवादित विधानसभा सीटों में शामिल

फलता सीट इस बार राज्य की सबसे चर्चित और विवादित विधानसभा सीटों में शामिल रही है। 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान कई बूथों पर ईवीएम के बटन पर इत्र, स्याही और चिपकाने वाले पदार्थ लगाए जाने, मतदान में बाधा डालने तथा वेब कैमरों की रिकॉर्डिंग से छेड़छाड़ के आरोप सामने आए थे। तत्कालीन विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने क्षेत्र का दौरा कर जांच की थी, जिसमें कम से कम 60 बूथों में गड़बड़ी के संकेत मिले थे। इसके बाद चुनाव आयोग ने पूरे विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया था।

संक्षिप्त खबरें

ब्रेन डेड घोषित छात्र के अंगदान से बचा चार लोगों का जीवन

हैदराबाद। राज्य के नलगोंडा जिले के अलेर निवासी 20 वर्षीय बीटेक छात्र अपनी मौत से पहले चार लोगों को नया जीवनदान दे गया। एक सड़क दुर्घटना के बाद ब्रेन डेड (मस्तिष्क मृत) घोषित छात्र के पिता के अंगदान करने के साहसिक निर्णय से चार परिवारों को अपने परिजनों को बचने की उम्मीद मिली। दरअसल, नलगोंडा जिले के अलेर निवासी 20 वर्षीय पुलिपालुपुल राघव जनगाम के सीजेआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक का छात्र था। 16 मई को चेरियाल के पास इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के नजदीक राघव की बाइक डिवाइडर से टकरा करा गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। दुर्घटना के बाद उसके परिजनों ने पहले उसे एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया और बाद में विशेष इलाज के लिए हैदराबाद के एक अन्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। तमाम चिकित्सीय प्रयासों के बाद डॉक्टरों ने 18 मई को उसे 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया।

रुपया नये निचले स्तर पर, 97 रु. प्रति डॉलर के करीब

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपये पर बुधवार को भी दबाव जारी रहा और यह 97 प्रति डॉलर के करीब पहुंच गया। पिछले कारोबार दिवस पर भारतीय मुद्रा 50 पैसे लुढ़ककर 96.70 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया आज 19 पैसे गिरकर 96.89 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 96.9575 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर तक उतर गया। बाद में यह हालांकि 96.77 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। खबर लिखे जाते समय रुपया 16 पैसे गिरकर 96.86 रुपये प्रति डॉलर पर था।

हाईटेंशन लाइन में फंसा हेलीकॉप्टर, महिला पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

टिहरी। उत्तराखंड में जनपद टिहरी गढ़वाल के चम्बा-आराकोट से लेकर सत्यो-सकलाना क्षेत्र तक बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आसमान में उड़ रहा एक हेलीकॉप्टर अचानक हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया। हेलीकॉप्टर के पिछले रोटर में 11000 वोल्ट की बिजली लाइन का तार फंसने से कुछ देर के लिए बड़ा हादसा होने की आशंका पैदा हो गई, लेकिन महिला पायलट की सूझबूझ और साहस से सभी यात्रियों की जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांस भारत एविऐशन कंपनी का हेलीकॉप्टर बद्रीनाथ धाम से यात्रियों को लेकर गुप्तकाशी जा रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक

द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का फैसला

एजेंसी

रोम। भारत और इटली ने अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने के साथ ही व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा, समुद्री अर्थव्यवस्था, कनेक्टिविटी, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने तथा द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी के बीच प्रतिष्ठित विला डोरिया पैम्फिली में बुधवार को हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों देशों ने परस्पर सहयोग के 15 करार किये जिनमें व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा, समुद्री अर्थव्यवस्था, कनेक्टिविटी, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों को प्रगाढ बनाने के उपायों के समझौते शामिल हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

बैठक से पहले प्रधानमंत्री मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की और साझा हित के वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम करने पर सहमति जताई। एक महत्वपूर्ण निर्णय में, दोनों पक्षों ने भारत-इटली संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के बीच सहयोग को अधिक सार्थक बनाने के लिए दोनों देश अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी तक उन्नत करने पर सहमत हुए हैं। आधुनिक तकनीक से जुड़े संयुक्त विकास सुविधाओं को बढ़ाने के लिए दोनों देशों ने रक्षा औद्योगिक रोड मैप तैयार किया है। दोनों देश दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक के वित्त पोषण और कर अपराधों को रोकने के लिए परिवर्तन एजेंसियां सहयोग करेंगी।

● **भारत-इटली आपसी संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमत**

भारत-इटली संबंधों को मिला नया आत्मविश्वास

वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त वक्तव्य भी दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मेलोनी के नेतृत्व में भारत-इटली संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना 2025-2029 दोनों देशों की साझेदारी को व्यावहारिक और भविष्य उन्मुख ढांचा प्रदान करती है तथा इस पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इटली विश्वभर में डिजाइन और प्रिसीजन के लिए प्रसिद्ध है, जबकि भारत बड़े पैमाने, प्रतिभा और किफायती नवाचार की ताकत के रूप में पहचाना जाता है।

दोनों देशों ने रक्षा औद्योगिक रोड मैप तैयार किया

उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है। भारत में कार्यरत 800 से अधिक इतालवी कंपनियां भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा औद्योगिक रोडमैप ने सह-विकास और सह-उत्पादन की दिशा में नया मार्ग प्रशस्त किया है। दोनों देश मिलकर शिपिंग, बंदरगाह आधुनिकीकरण, लॉजिस्टिक्स और ब्लू इकॉनमी के क्षेत्रों में काम करेंगे।

आतंकवाद को मानवता के लिए गंभीर खतरा माना

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इटली इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर खतरा है। आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ दोनों देशों की साझा पहल ने दुनिया के सामने एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोकतंत्र केवल आतंकवाद की निंदा ही नहीं करते बल्कि उसके आर्थिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए ठोस कदम भी उठाते हैं।

परिश्रम ही सफलता की कुंजी है : जियोर्जिया मेलोनी

वहीं, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भारत-इटली संबंधों को परिश्रम से जोड़ा और हिन्दी में कहा भी 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।' उन्होंने कहा कि इसका अर्थ है कि कठिन परिश्रम ही सफलता की कुंजी है और हम अपने रिश्तों को इसी तरह से बनाते हैं जहाँ कड़ी मेहनत ही सफलता का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि भारत-इटली मिलकर शांति और स्थिरता के लिए हमेशा अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा को लेकर शिक्षा मंत्री की उच्चस्तरीय बैठक

फर्जी टेलीग्राम चैनलों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पुनर्परीक्षा की निष्पक्ष और सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में परीक्षा के दौरान कड़ी सतर्कता और चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया गया। बैठक में शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक ने भी हिस्सा लिया। बैठक में परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संभावित कमजोरियों की पहचान कर समय रहते निवारक और सुधारात्मक कदम उठाने पर चर्चा हुई।

इसके समानांतर शिक्षा मंत्री ने मेटा, गूगल और टेलीग्राम जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की। बैठक में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी गलत सूचनाओं के बढ़ते प्रसार, विशेष रूप से टेलीग्राम चैनलों और गुमनाम ऑनलाइन समूहों के माध्यम से फैलाए जा रहे भ्रामक दावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

अधिकारियों ने बताया कि बड़ी परीक्षाओं से पहले कई टेलीग्राम चैनल अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं और फर्जी पेपर लीक, क्लिकबेट सामग्री तथा अपुष्ट सूचनाएं फैलाकर छात्रों और अभिभावकों में भय, तनाव और भ्रम पैदा करते हैं। कई संदिग्ध लिंक लोगों को ऑटोमेटेड बॉट्स और फर्जी समूहों तक पहुंचाते हैं, जिनका उद्देश्य गलत सूचना को तेजी से फैलाना होता है।

खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार कई संदिग्ध चैनल सीमित संख्या के फोन नंबरों के जरिए संचालित किए जा रहे हैं, जिससे संगठित गतिविधियों की आशंका जताई गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा मंत्री ने ऐसे नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा से पहले फर्जी सूचना, दुष्प्रचार और अफवाह फैलाने वाले चैनलों की सक्रिय पहचान कर उन्हें ब्लॉक और हटाने के लिए अभियान चलाने को कहा।

भारत टेक्स मोबाइल ऐप लॉन्च, एआई असिस्टेंट और डिजिटल सुविधाएं मिलेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'भारत टेक्स' प्रदर्शनी में प्रतिभागियों को डिजिटल सुविधाओं के साथ सहज अनुभव देने के लिए भारत टेक्स 2026 मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप प्रदर्शनी की जानकारी, बैठकें तय करने, डिजिटल पहचान-पत्र, संपर्क विवरण संग्रह और एआई-सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने इस ऐप को बुधवार को यहां लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि ऐप प्रतिभागियों को प्रदर्शकों की खोज, बैठकें तय करने, स्थल पर दिशा-निर्देश प्राप्त करने, ज्ञान सत्रों तक पहुंचने और वास्तविक समय में अपडेट हासिल करने की सुविधा देगा।

मंत्रालय ने बताया कि ऐप की प्रमुख विशेषता एआई स्मार्ट असिस्टेंट है, जो प्रतिभागियों को 24गुणा7 संवादात्मक मार्गदर्शन देगा। उपयोगकर्ता सरल भाषा में प्रश्न पूछकर कार्यक्रम, स्थल, समय सारणी और अन्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा नेटवर्किंग और बैठक मॉड्यूल के जरिए प्रदर्शक और खरीदार आपस में जुड़ सकेंगे तथा क्यूआर-आधारित संपर्क विवरण संग्रह सुविधा से डिजिटल पहचान-पत्र स्कैन कर जानकारी सुरक्षित कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि यहां भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक आयोजित होने वाले भारत टेक्स 2026 में 7,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 1,30,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुक शामिल होंगे। आयोजन में भारत की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें फाइबर, यार्न, कपड़ा, परिधान, गृह वस्त्र, तकनीकी वस्त्र, हस्तकरघा, हस्तशिल्प, सतत वस्त्र और स्मार्ट विनिर्माण तकनीकें शामिल होंगी। भारत टेक्स 2026 का आयोजन भारत टेक्स व्यापार संगठन द्वारा किया जाएगा, जिसमें 11 वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदें और उद्योग संगठन शामिल हैं। यह आयोजन प्रधानमंत्री के 5 एफ विजन फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन से प्रेरित है और भारत को एक विश्वसनीय, सतत और नवाचार-आधारित वैश्विक वस्त्र गंतव्य के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मेलोनी को गिफ्ट की 'मेलोडी', इंटरनेट पर वायरल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने इटली दौरे पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को खास तोहफे के रूप में मेलोडी टॉफी गिफ्ट की। मेलोनी ने इसका वीडियो एक्स पर शेयर किया है। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। मेलोनी ने स्वयं अपने एक्स अकाउंट पर इस मुस्कुराहट भर देने वाले वीडियो को साझा किया। इसमें प्रधानमंत्री मोदी मालोनी को गिफ्ट देते दिखाई दे रहे हैं और बदले में मालोनी लिखती हैं- इस उपहार के लिए धन्यवाद। 'मेलोडी' शब्द इटली की प्रधानमंत्री की ओर से दोनों देशों के घनिष्ठ संबंधों को रेखांकित करते हुए बनाया गया है। इसमें उन्होंने अपने और प्रधानमंत्री मोदी के नाम को जोड़ा है। इससे पहले वे तीन बार प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए हैशटेग 'मेलोडी' का प्रयोग कर चुकी हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इसे प्रधानमंत्री की हास्यशैली का हिस्सा बताया है। भारत में मेलोडी चॉकलेट टॉफी अपने एक पुराने इश्तिहार के कारण काफी ख्यातिप्राप्त है। उसका वे वाक्य कि 'मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों हैं, मेलोडी खाओ खुद जान जाओ' आज भी बहुत से लोगों को याद है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के अंतिम चरण में आज इटली में हैं।

पुतिन की चीन यात्रा > पुतिन और जिनपिंग ने बीजिंग में किए हस्ताक्षर, अमेरिका के लिए चुनौती भरा संदेश

रूस और चीन के संयुक्त घोषणा पत्र में 'बहुध्रुवीय दुनिया' के निर्माण का वादा

एजेंसी

बीजिंग (चीन)। चीन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को यहां ऐतिहासिक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने घोषणा पत्र में 'बहुध्रुवीय दुनिया' के निर्माण का वादा किया। इस कदम को अमेरिका के लिए चुनौती भरा संदेश माना जा रहा है। यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग से लौटने के कुछ समय बाद की गई है।

चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ, रूस की सरकारी संवाद समिति तास और द मॉस्को टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने 20 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया गया। बाकी समझौतों का जिक्र इसमें नहीं किया गया है। पुतिन ने कहा, 'हम अपने द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करेंगे और उन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय रूप से शामिल होंगे, जहां हमारी टीमें एक बहुध्रुवीय दुनिया की मजबूत नींव रखने के लिए मिलकर काम कर रही हैं।' शी ने रूस-चीन संबंधों को दो बड़ी शक्तियों के बीच संबंधों के लिए एक 'आदर्श' के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने अमेरिका पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए 'एकतरफा और वर्चस्ववादी विपरीत धाराओं के बेरोकटोक हावी होने' के प्रति आगाह किया।

पुतिन ने कहा, 'रूस और चीन एक स्वतंत्र और संप्रभु विदेश नीति के लिए प्रतिबद्ध हैं। शी ने पुतिन के साथ बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि मध्य पूर्व में पूर्ण सैन्य विराम बेहद जरूरी है। शी और पुतिन ने व्यापक रणनीतिक समन्वय बढ़ाने तथा अच्छे पड़ोसी संबंधों और मैत्रीपूर्ण सहयोग को गहरा करने पर सहमति जताई है। राष्ट्रपति शी पुतिन ने बीजिंग स्थित 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में संयुक्त रूप से मीडिया से मुलाकात की। इस अवसर पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

शी ने कहा कि यह वर्ष चीन-रूस रणनीतिक समन्वय साझेदारी की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ और चीन-रूस 'अच्छे पड़ोसी और मैत्रीपूर्ण सहयोग संधि' पर हस्ताक्षर की 25वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। शी ने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों और दुनिया के महत्वपूर्ण बड़े देशों के रूप में चीन और रूस को एक रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।' उन्होंने कहा, चीन-रूस संबंध अब और भी बड़ी उपलब्धियों तथा तीव्र विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर चुके हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि मॉस्को और बीजिंग जी 20 और विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर साझा रुख का समर्थन करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, 'हम जी 20, विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक जैसे बहुपक्षीय मंचों पर अपने रुख में निकट समन्वय बनाए रखना जारी रखेंगे। हमारा इरादा चीन की 'बेल्ट एंड रोड पहल' के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है।' शी ने कहा कि चीन ने रूसी नागरिकों के लिए वीजा मुक्त नीति को 31 दिसंबर, 2027 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

'बहुध्रुवीय दुनिया' का तात्पर्य

'बहुध्रुवीय दुनिया' से तात्पर्य ऐसी वैश्विक व्यवस्था से है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति किसी एक या दो देशों के हाथों में केंद्रित न होकर कई प्रमुख देशों या समूहों के बीच बंटी होती है। सोवियत संघ के विघटन के बाद केवल अमेरिका ही एकमात्र वैश्विक महाशक्ति (ध्रुव) बनकर उभरा है। बहुध्रुवीय दुनिया का पिछले कुछ दशकों से तेजी से विकास हुआ है। वर्तमान में यह शक्ति केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है। इसमें अमेरिका के अलावा चीन और रूस के अलावा यूरोपीय देश शक्तिशाली भूमिका निभा रहे हैं। यह व्यवस्था किसी एक देश को मनमानी करने से रोकती है। इसे अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चुनने के अधिक विकल्प होते हैं। इसमें अनेक शक्तियां एक साथ मिलकर वैश्विक राजनीति और व्यापार की रूपरेखा तय करती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत जनगणना के विरुद्ध याचिका खारिज की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जातिगत जनगणना के विरुद्ध दायर याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह सरकार का नीतिगत फैसला है और इसमें हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। याचिका में मांग की गई थी कि आगामी जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल न किया जाए, क्योंकि इसका दुरुपयोग हो सकता है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सरकार को यह जानना जरूरी है कि पिछड़ी जातियों में कितने लोग हैं, ताकि उनके कल्याण के लिए योजनाएं बनाई जा सकें। न्यायालय ने कहा कि जनगणना जाति आधारित हो या नहीं, यह पूरी तरह सरकार का नीतिगत मामला है। कोर्ट को इसमें दखल देने की जरूरत नहीं दिखती, इसलिए इस जनहित याचिका को खारिज किया जाता है।

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप की निष्फल चीन यात्रा!

मनमौजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्या सोच कर 9 साल बाद चीन की यात्रा पर गए थे और इससे उन्हें क्या हासिल हुआ, सिवाय चीन की हां में हां मिलाने के, इस पर दुनिया भर के कूटनीतिक विशेषज्ञ मंथन कर रहे हैं। ट्रंप अपने साथ 17 उद्योगपतियों का बड़ा दल भी साथ लेकर गए थे। दोनों देशों के बीच और खुद ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिन पिंग के बीच सीधी बातचीत हुई, लेकिन ठोस नतीजा कुछ भी नहीं निकला। दरअसल इस दौरे की शुरूआत ही परस्पर अविश्वास से हुई थी और अंत भी उसी तर्ज पर हुआ। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी लोग अपने मोबाइल लैपटॉप आदि घर पर छोड़कर गए थे, क्योंकि उन्हें शंका थी कि चीन उनमे कुछ जासूसी डिवाइस फिट कर सकता है। अविश्वास की इंतिहा ये थी कि बेनतीजा दौर से लौटते समय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने चीन द्वारा दिए सारे गिफ्ट और उपहार भी एयरपोर्ट पर छोड़ दिए। इसके पीछे भी डर वही था। हालांकि ऐसा करना किसी भी मेजबान देश का अपमान करना भी है। बताया जाता है कि ट्रंप-चिनफिंग समिट में ईरान युद्ध, ताइवान, ट्रेड, टैरिफ, रेयर अर्थ मिनरल्स, एआई और चिप जैसे संवेदनशील मुद्दे छाए रहे। चीन ने तो इस बारे में कुछ नहीं कहा है कि लेकिन ट्रंप ने दावा किया चर्चा में दोनों देशों ने कई समस्याएं सुलझाई हैं और रिश्ते पहले से मजबूत हुए हैं। लेकिन कौन से रिश्ते मजबूत हुए हैं, इसका कोई ठोस विवरण उन्होंने नहीं दिया। ट्रंप के मुताबिक चीन 200 बोइंग जेट खरीदने और अमेरिका में सैकड़ों अरब डॉलर के निवेश करने पर राजी हुआ है। वहीं, ईरान युद्ध पर उनकी और चिनफिंग की सोच में समानता है। ट्रंप के अनुसार दोनों नेता चाहते हैं कि युद्ध खत्म हो, हॉर्मुज रास्ता खुला रहे और ईरान परमाणु हथियार विकसित न कर पाए। ट्रंप ने यह भी कहा कि चिनफिंग ने ईरान युद्ध सुलझाने में मदद की इच्छा जताई है और ईरान को हथियार न देने का भरोसा भी दिया। हालांकि, इन दावों की चीन ने कोई पुष्टि नहीं की है। चीन ने बयान में व्यापक सहयोग, स्थिरता व शांति की बात दोहराई। ट्रंप की नाकामी यह है कि इतने हाई प्रोफाइल दौरे के बाद भी वो कठोर सौदेबाज चीनी राष्ट्रपति शी जिनफिंग से कुछ भी नहीं हासिल नहीं कर सके। ट्रंप की कोशिश थी कि चीन होर्मुज स्ट्रेट खुलवाने के लिए ईरान पर दबाव डाले। लेकिन शी ने ऐसा कोई भी आश्वासन नहीं दिया। दूसरे, ट्रंप चाहते थे कि चीन के साथ कोई बड़ा व्यापारिक समझौता हो। वह भी नहीं हुआ। केवल वर्तमान व्यापार सुचारू रूप से चलाने के लिए दोनों देशों की एक परिषद बनाने पर सहमति बनी। चीन ने अमेरिका को खास रियायतें देने में भी रूचि नहीं दिखाई। उल्टे ताइवान पर कब्जाने की अपनी मंशा साफतौर पर जता दी। इसको लेकर ट्रंप इतने दबाव में दिखे कि उन्होंने कह दिया कि ताइवान पर चीनी हमला हुआ तो वह उस ताइवान की कतई मदद नहीं करेगा, जिसकी सुरक्षा की गारंटी उसने पिछले 80 सालों से दी हुई है और जिसे लोकतंत्र के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता के रूप में देखा जाता रहा है। उधर चीनी राष्ट्रपति ने तो अमेरिका को 'पतनशील देश' तक कह दिया, जिसका ट्रंप विरोध तक नहीं कर सके। उल्टे अपनी खीज छिपाने के लिए उन्होंने इस कथन को मोड़ने की कोशिश की कि शी ने यह कमेंट पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को लेकर किया था।

व्यवस्था और संवेदनाओं को राख करती आग

रात का दूसरा पहर था। प्रदेश के दो बड़े नगरों के बीच चलने वाली बस राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेजी से दौड़ी चली जा रही थी। खिड़कियों के बाहर अंधेरे खेत पीछे छूट रहे थे और भीतर पीली रोशनी में यात्रियों की अपनी-अपनी छोटी दुनियाएँ बसी थीं। कोई मोबाइल पर धीमे स्वर में बात कर रहा था, तो कोई सीट से सिर टिकाकर आने वाले कल के सपने देख रहा था। बस की पिछली सीट पर चार वर्षीय नन्हा बालक अपनी माँ की गोद में सोया हुआ था। उसकी छोटी उंगलियाँ अब भी खिलौना कार को कसकर पकड़े थीं। माँ कभी उसके माथे को चूमती, कभी खिड़की से बाहर झाँकती। पिता सामने वाली सीट पर बैठे मुस्कुरा रहे थे– 'ग्वालियर पहुँचकर इसे किला दिखाऊँगा,' उन्होंने धीरे से कहा था।

ब्रजेश कानूनगो

अचानक बस के अगले हिस्से से चिंगारियों की तेज़ आवाज़ आई– 'छटाक... छटाक...!' कुछ ही सेकंड में धुएँ की कड़वी गंध फैलने लगी। तभी इंजन के पास से लपटें उठीं और देखते-ही-देखते आग ने प्लास्टिक के सामान को पकड़ लिया। एक भयावह चीख बस में गूँज उठी– आग... आग लग गई! नींद में डूबे लोग घबराकर उठे। धक्का-मुक्की शुरू हो गई। कोई खिड़की तोड़ने लगा, कोई बच्चों को उठाकर दरवाज़े की ओर भागा। जलते प्लास्टिक से उठता काला धुआँ साँसों को जला रहा था। बस के भीतर अफरा-तफरी का ऐसा दृश्य था मानो हर व्यक्ति मौत से आगे निकल जाना चाहता हो। बच्चे की माँ ने उसे कसकर पकड़ लिया। पिता पीछे की ओर भागे, लेकिन तभी किसी ने चीखकर कहा– पीछे से रास्ता बंद है! बस में आपातकालीन गेट था ही नहीं।

आग अब विकराल हो चुकी थी। प्लास्टिक के पैकेट पिघल-पिघलकर जलते तेल की तरह फर्श पर बह रहे थे। धुआँ इतना घना हो गया कि चेहरों की पहचान मिटने लगी।

किसी तरह पिता ने पत्नी को दरवाज़े तक पहुँचा दिया। बाहर खड़े लोग हाथ बढ़ाकर यात्रियों को खींच रहे थे। तभी माँ की गोद अचानक हल्की हो गई। बालक... अंदर रह गया था। 'मेरा बच्चा...! मेरा बच्चा अंदर है...!' उसकी चीख रात के सन्नाटे को चीरती चली गई। उसकी आँखों के सामने बस धधक रही थी और भीतर उसका मासूम बेटा–जो कुछ देर पहले खिलौना कार पकड़े मुस्कुरा रहा था। कुछ मिनटों बाद सब शांत हो गया। बस अब सिर्फ जलता हुआ ढाँचा थी। सड़क पर धुआँ तैर रहा था। यात्रियों की सिसकियाँ हवा में घुली थीं। दूर कहीं उस बालक की छोटी खिलौना कार सड़क किनारे पड़ी थी–आधी जली हुई, आधी बची हुई। उस रात केवल एक बच्चा नहीं मरा था। मर गई थी व्यवस्था की लापरवाही। मर गई थी यात्रियों की सुरक्षा के प्रति संवेदनहीनता। और जल गई थी वह उम्मीद कि हर सफर सुरक्षित होकर घर तक पहुँचता है। सुबह अखबारों में खबर छपी– शार्ट सर्किट से बस में आग, एक मासूम की मौत। लेकिन उन चार-पाँच शब्दों के पीछे एक माँ की टूटी हुई दुनिया थी, एक पिता की असहाय आँखें थीं, और एक नन्हा सपना था... जो ग्वालियर का किला देखने से पहले ही राख बन गया।

आप इसे एक मार्मिक कहानी कह लें लेकिन यात्री बसों में लगने वाली आग के बाद लगभग ऐसा ही कुछ घटित होता है। फिर वही होता है जो हमेशा से होता रहा है। सरकारें मुआवजा देनें की घोषणाएं करती हैं। नियम कानूनों की उपेक्षा की जांच और दोषियों को सजा देने का वायदा किया जाता है। थोड़े दिनों बाद किसी और घटना का समाचार पढ़ने को मिल जाता है। यात्री वाहनों और बसों में आग लगने की बढ़ती घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। हाल के महीनों में देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी ही कई डरा देने वाली खबरें सामने आई हैं। सफर को सुरक्षित बनाने के लिए इन हादसों के मूल कारणों को समझना, प्रशासनिक कमियों को पहचानना और कड़े कदम उठाना बेहद जरूरी है।

हाल ही (मई 2026) में इंदौर से ग्वालियर जा रही एक इंटरसिटी बस में शार्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। अधिकांश यात्री तो समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन आपातकालीन गेट न होने और बस में प्लास्टिक का व्यावसायिक सामान लोड होने के कारण आग इतनी तेजी से फैली कि एक 4 वर्षीय मासूम बच्चा अंदर ही फंस गया और उसकी जान चली गई। इसी प्रकार (मई 2026) में हैदराबाद से तिरुपति जा रही एक निजी ट्रैवल्स की बस का पिछला टायर जाम होने के कारण घर्षण पैदा हुआ और टायर ब्लास्ट के साथ आग लग गई। गनीमत रही कि ड्राइवर की सूझबूझ से सभी 36 यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया, लेकिन बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। मार्च में इसी राज्य के मार्कापुरम में एक बस और ट्रक की टक्कर के बाद लगी आग में 14 लोगों की मौत हो गई थी। अप्रैल 2026 में इंदौर से सागर जा रही एक स्लीपर कोच बस के स्टेयरिंग के पास शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसमें 50 यात्री बाल-बाल बचे। वहीं मैनपुरी में भी एक चलती रोडवेज बस में शॉर्ट सर्किट से आग भड़क उठी थी।

दरअसल, वाहनों में आग लगने के कई कारण सामने आते रहे हैं, जैसे आधुनिक बसों में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, एसी (ष्ट), हैवी लाइट्स और म्यूजिक सिस्टम के लिए अतिरिक्त वायरिंग की जाती है। यह काम अक्सर अप्रशिक्षित मैकेनिकों से और घटिया क्वालिटी के तारों से करवा लिया जाता जाता है। अत्यधिक गर्मी में लोड बढ़ने पर तार आपस में चिपक जाते हैं और शॉर्ट सर्किट हो जाता है। कई बार गर्मियों में सड़क का तापमान बहुत ज्यादा होता है। यदि टायर पुराने हों, उनमें हवा का दबाव सही न हो, या ब्रेक शू (क्च्ह्म्ड्डद्य स्द्धश्चद्ग) जाम होने के कारण पहिया रगड़ खा रहा हो, तो भयंकर घर्षण से टायर आग पकड़ लेते हैं। इंजन का रखरखाव ठीक नहीं होने से भी दुर्घटना का खतरा बन जाता है, इंजन में ऑयल या फ्यूल लीक होना, कूलेंट का कम होना और समय पर सर्विसिंग न होने से इंजन ओवरहीट हो जाता है, जो आग का कारण बनता है। कई बस संचालक अतिरिक्त कमाई के चक्कर में यात्रियों की डिक्की या छत पर प्लास्टिक का सामान, केमिकल, या अन्य ज्वलनशील व्यावसायिक पार्सल लाद देते हैं, जो आग को तेजी से भड़काने का काम करते हैं। यद्यपि आग लगने की घटनाओं से बचाव के यात्रियों और ऑपरेटरों के स्तर पर भी कई उपाय किए गए हैं किंतु प्रश्न यह है कि क्या इन पर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है? हर बस में कम से कम दो चालू हालत वाले फायर एक्सटिंग्विशर होने अनिवार्य होने चाहिए–एक ड्राइवर के पास और दूसरा आपातकालीन गेट के पास। बसों की सीटों और अंदरूनी हिस्सों में ऐसे फोम और कपड़ों का इस्तेमाल हो जो आग न पकड़ें और जलने पर जहरीला धुआं पैदा न करें (अक्सर लोग आग से कम, जहरीले धुएं से दम घुटने के कारण मरते हैं)। इंजन कंपार्टमेंट में ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम (स्नष्ठस्स्) लगाया जाना चाहिए, जो आग लगते ही खुद-ब-खुद उसे बुझा दे। आपातकालीन गेट के पास कोई सीट या सामान नहीं होना चाहिए ताकि वह आसानी से खुल सके। खिड़कियों के शीशे तोड़ने वाले विशेष हथौड़े (श्वद्वद्गह्म्द्दद्गठ्ठष्4 ॥ड्डद्वद्वद्गह्म्) हर दो-तीन सीट के बाद लगे होने चाहिए।

शासन और प्रशासन की भी ऐसे मामलों में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निश्चित की गई है, फिर भी कहीं तो चूक हो ही रही होगी, घटनाएं और उनकी जांच रिपोर्टें तो यही इंगित करती रही हैं। कई बार आरटीओ (ऋञ्जह्) विभाग द्वारा वाहनों की फिटनेस जांच अक्सर केवल कागजों पर या सतही तौर पर होने की आशंका होती है। बसों के भीतर की वायरिंग, इमरजेंसी गेट के काम करने की स्थिति और टायर की गुणवत्ता की बारीकी से शायद जांच में कोई कसर रह जाती है। जब कोई बड़ा हादसा हो जाता है, तो प्रशासन दो-चार दिन चेकिंग अभियान चलाकर जुर्माने काटता है और फिर स्थिति वैसी ही हो जाती है। निरंतर कड़ाई का अभाव बस ऑपरेटरों के हौसले बुलंद रखता है। स्लीपर बसों में क्षमता से अधिक केबिन बना दिए जाते हैं, जिससे गैलरी इतनी संकरी हो जाती है कि भगदड़ मचने पर दो लोग एक साथ निकल भी नहीं सकते। कई बार प्रशासन इन अवैध बदलावों को देखकर भी अनदेखा कर देता है। वाहनों के रखरखाव और यात्री बसों के सुरक्षित संचालन के लिए हमारे यहां पर्याप्त नियम और कानून हैं बस उनका ईमानदारी से पालन करने में ही कहीं न कहीं हमसे चूक हो जाती है। बसों की फिटनेस चेकिंग के लिए रैंडम और औचक निरीक्षण होने चाहिए। इसमें सीसीटीवी या डिजिटल ट्रैकिंग का इस्तेमाल हो ताकि भ्रष्टाचार की गुंजाइश न रहे। नियमों का उल्लंघन करने वाले, आपातकालीन गेट न रखने वाले या बस में अवैध कमर्शियल माल ढोने वाले ऑपरेटरों के परमिट तुरंत और स्थायी रूप से रद्द किए जाने चाहिए।

अध्यात्म

हम अपनी सोच को सकारात्मक,बनाते हैं, तो जीवन भी सफल हो जाता है

एक लोक कथा है। एक राज्य का राजा था, तो बहुत शक्तिशाली, लेकिन उसकी सोच अक्सर संदेह और अंधविश्वास से भरी रहती थी। वह हर घटना को शुभ-अशुभ के नजरिए से देखता था। उसके राज्य के एक गांव में चर्चा चल रही थी कि वहां के एक व्यक्ति का चेहरा अशुभ है और उसे देखते ही दुर्भाग्य आता है। लोगों की सोच इतनी मजबूत हो गई है कि उन्होंने उस व्यक्ति को दोषी मान लिया है। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि गांव के लोग उसे गांव से निकालने की कोशिश करने लगे। उसे अपमानित किया जाने लगा और उसके साथ गलत व्यवहार होने लगा। जब यह बात राजा तक पहुंची, तो उन्होंने सोचा कि बिना जांच के किसी को दोषी मानना उचित नहीं है। इसलिए राजा ने उस व्यक्ति को अपने महल में रहने का आदेश दिया, ताकि वह खुद इस बात की सच्चाई जान सके। अगले दिन सुबह, राजा ने सबसे पहले उसी व्यक्ति का चेहरा देखा। उसी दिन राजा के साथ एक घटना हुई, उसे पूरे दिन राजकीय कार्यों में अत्यधिक व्यस्त रहना पड़ा और व्यस्तता के कारण वह भोजन नहीं कर सका। शाम तक उसे लगने लगा कि सच में उस व्यक्ति के कारण उसका दिन खराब हुआ है। अब राजा भी राज्य के लोगों की बातों पर विश्वास करने लगा और उसने उस व्यक्ति को अशुभ मान लिया। गुस्से और अंधविश्वास में आकर राजा ने उस व्यक्ति को मृत्यु दंड दे दिया। जैसे ही यह निर्णय लिया गया, राजा के विद्वान मंत्री ने उसे रोकते हुए पूछा कि एक निर्दोष व्यक्ति को किस आधार पर दंड दिया जा रहा है। राजा ने कहा कि आज सुबह मैंने उसका चेहरा देखा और मेरा पूरा दिन खराब हो गया, इसलिए वह अशुभ है। मंत्री ने शांत स्वर में कहा, 'राजन्, क्षमा करें, लेकिन एक बात और भी है, उस व्यक्ति ने भी आज सुबह सबसे पहले आपका चेहरा देखा था। आपको तो सिर्फ भोजन नहीं मिला, लेकिन इस व्यक्ति पर तो मृत्यु का संकट खड़ा हो गया है।'

यह सुनकर राजा चुप हो गया। मंत्री ने आगे समझाया कि किसी भी व्यक्ति का चेहरा न तो शुभ होता है और न अशुभ। असल में अशुभ हमारी सोच होती है। राजा को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने तुरंत उस व्यक्ति को मुक्त कर दिया और समझ गया कि जीवन में निर्णय तथ्यों पर आधारित होने चाहिए, न कि अंधविश्वास और नकारात्मक सोच पर।

'सतीशन' के सामने गठबंधन सहयोगियों को संतुष्ट करने की चुनौती

सतीशन अब एक विधायी दल का नेतृत्व कर रहे हैं जिसमें ऐसे सदस्य शामिल हैं जिन्होंने उनका समर्थन नहीं किया था। वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला सहित शक्तिशाली गुट जल्द ही अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं। इसके अलावा, सतीशन जमात के हितों और उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, सुन्नी सर्वोच्च निकाय 'समस्त', जिसने उन्हें निहित समर्थन प्रदान किया है, के हितों को संतुलित करने की कठिन चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस बात की प्रबल संभावना है कि वह ड्क्षहदू मतदाताओं को अलग-थलग कर सकते हैं, जो मुस्लिम समुदाय के बढ़ते प्रभाव के बारे में ड्क्षचतित हैं, साथ ही उदारवादी और सुधारवादी मुस्लिम आवाजों को भी, जो इन घटनाक्रमों के बारे में आशंकित हैं।

कल्याणी शंकर

कांग्रेस पार्टी को केरल के मुख्यमंत्री का चयन करते समय महत्वपूर्ण आंतरिक गुटीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यह प्रक्रिया 11 दिनों तक चली और इसका उद्देश्य विभिन्न पार्टी समूहों के बीच विवादों को सुलझाना था। इन तनावों से निपटना कठिन था और इस दौरान दिखाई गई सहनशीलता सराहनीय है। के.सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद वी.डी. सतीशन को इस भूमिका के लिए चुना गया। प्रियंका और राहुल गांधी ने अपना निर्णय लेते समय जनभावनाओं पर विचार किया। चयन प्रक्रिया के दौरान आंतरिक तनाव उभरे लेकिन अंततः वेणुगोपाल ने पार्टी के व्यापक हित के लिए सतीशन की नियुक्ति का समर्थन किया।

कांग्रेस आलाकमान विभाजित था-सोनिया गांधी ने चेन्निथला का समर्थन किया, राहुल गांधी ने वेणुगोपाल का और प्रियंका गांधी ने सतीशन का पक्ष लिया। इस दरार ने पार्टी के आलाकमान के भीतर आंतरिक संघर्षों को उजागर किया। इसके अतिरिक्त, कांग्रेस को अपने सहयोगी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आई.यू.एम.एल.) और जनभावनाओं से दबाव का सामना करना पड़ा, जिसने गांधी परिवार की छवि को प्रभावित किया। राहुल और प्रियंका गांधी ने स्थिति पर चर्चा की लेकिन उनके मतभेद कांग्रेस कार्यालयों के बाहर और प्रियंका के वायनाड कार्यालय में प्रदर्शित पोस्टरों में स्पष्ट थे। ऐसा ही एक पोस्टर था, 'श्रीमान राहुल, के.सी. आपके थैला ढोने वाले हो सकते हैं लेकिन केरल की जनता आपको कभी माफ नहीं करेगी', जो वेणुगोपाल के प्रति राहुल की पसंद पर असंतोष व्यक्त कर रहा था। राहुल गांधी ने जनभावनाओं का आकलन करके और दावेदारों वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्निथला के साथ समन्वय करके केरल के मुख्यमंत्री का चयन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यूनाइटेड डैमोक्रेटिक फ्रंट (यू.डी.एफ.) के भीतर चुनाव के बाद के गतिरोध को दूर करने के लिए दिल्ली में मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी के साथ व्यापक बैठकें कीं।

आई.यू.एम.एल. ने वी.डी. सतीशन के धर्मनिरपेक्ष रुख के लिए उनका समर्थन किया। वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री के रूप में सतीशन की नियुक्ति के लिए अपना समर्थन व्यक्त करने हेतु राहुल और प्रियंका के साथ 2 घंटे से अधिक समय तक मुलाकात की। हालांकि वेणुगोपाल भी एक प्रमुख उम्मीदवार थे, उन्होंने जोर दिया कि पार्टी के हितों को सबसे पहले आना चाहिए। सतीशन, जो 6 बार के विधायक और यू.डी.एफ. अभियान के नेता हैं, ने इस्तीफा देने का संकल्प लिया था यदि यू.डी.एफ. केरल की 140 सीटों में से कम से कम 100 सीटें हासिल नहीं कर पाता। गठबंधन ने अंततः 102 सीटें जीतीं, जिसमें कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जो सतीशन के नेतृत्व में विश्वास को दर्शाती है।

वेणुगोपाल के लिए राहुल गांधी का समर्थन इस बात से जटिल हो गया कि वेणुगोपाल को विधायक बनने के लिए अपनी सांसद भूमिका से इस्तीफा देना पड़ता। जमीनी स्तर के विरोध प्रदर्शनों ने सतीशन का पक्ष लिया, जो पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी आवाज के रूप में उभरे। उन्होंने एक दशक के बाद केरल में यू.डी.एफ. की सत्ता में वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री के रूप में वेणुगोपाल की संभावित नियुक्ति के खिलाफ इन जमीनी विरोध प्रदर्शनों ने कांग्रेस के भीतर आंतरिक विभाजन को उजागर किया। सतीशन ने स्वीकार किया कि इन प्रदर्शनों ने जनभावनाओं को प्रभावित किया। कांग्रेस पार्टी खुद को भाजपा के एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में पेश करने का अवसर देख रही है। तमिलनाडु में, कांग्रेस ने द्रमुक के साथ अपने लंबे गठबंधन को समाप्त कर दिया है और अब विजय की तमिलनाडु वेत्री कड़गम (टी.वी.के.) के साथ सहयोग कर रही है, जिससे पार्टी के नेताओं को क्षेत्रीय भागीदारों के साथ जटिल संबंधों को बनाए रखते हुए स्वतंत्र विकास पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिल रही है।

केरल के राजनीतिक परिदृश्य को नियंत्रित करने की सतीशन की क्षमता विभिन्न कारकों पर निर्भर करेगी। हालांकि वह पार्टी के साथ संरेखित होंगे लेकिन स्पष्ट शक्ति गतिशीलता और पदानुक्रम काम कर रहे हैं। ईसाई और मुस्लिम समुदायों के बीच विभाजन ने 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी को कमजोर कर दिया, जिससे कई लोग इससे दूर हो गए और पिनाराई विजयन के लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने में योगदान दिया। केरल के मुख्यमंत्री के रूप में, वी.डी. सतीशन को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें पार्टी की एकता बनाए रखना, आई.यू.एम.एल. जैसे मुखर सहयोगियों के साथ गठबंधन का प्रबंधन करना और संघर्षरत अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करना शामिल हैं। उनकी तत्काल चुनौती मंत्रिमंडल का गठन है, जिसमें कांग्रेस के भीतर विभिन्न गुटों को समायोजित करना, आई.यू.एम.एल. जैसे प्रमुख गठबंधन सहयोगियों को संतुष्ट करना और पार्टी के भीतर नाराजगी को रोकना शामिल है।

उन्हें एक महत्वपूर्ण राजकोषीय घाटे और राज्य पर ऋण का भी समाधान करना और आर्थिक विकास को प्राथमिकता बनाना होगा। उन्हें अपनी बयानबाजी में सुधार करने, अल्पसंख्यक समुदाय की राजनीति को नेविगेट करने, लीग और जमात-ए-इस्लामी के साथ संबंधों के बारे में भाजपा की आलोचना का मुकाबला करने और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गुटों से तोड़फ़ोड़ से बचते हुए एकता बनाए रखने की आवश्यकता है। जमात-ए-इस्लामी ने सतीशन के लिए मुस्लिम वोटों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे सहयोगियों से निपटते समय अपनी धर्मनिरपेक्ष साख बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होगा।

सतीशन अब एक विधायी दल का नेतृत्व कर रहे हैं जिसमें ऐसे सदस्य शामिल हैं जिन्होंने उनका समर्थन नहीं किया था। वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला सहित शक्तिशाली गुट जल्द ही अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं। इसके अलावा, सतीशन जमात के हितों और उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, सुन्नी सर्वोच्च निकाय 'समस्त', जिसने उन्हें निहित समर्थन प्रदान किया है, के हितों को संतुलित करने की कठिन चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस बात की प्रबल संभावना है कि वह ड्क्षहदू मतदाताओं को अलग-थलग कर सकते हैं, जो मुस्लिम समुदाय के बढ़ते प्रभाव के बारे में ड्क्षचतित हैं, साथ ही उदारवादी और सुधारवादी मुस्लिम आवाजों को भी, जो इन घटनाक्रमों के बारे में आशंकित हैं।

आज का कार्टून

सोना-चांदी खरीद के पुराने आर्डर हो रहे हैं कैंसिल
पीएम की अपील का असर, बिक्री 50 प्रतिशत घटी

राशिफल

मेष
कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। आपको किसी उपलब्धि के लिये सम्मानित किया जा सकता है। आज आप महँगे उत्पादों की खरीदी में धन खर्च कर सकते हैं।

वृषभ
यात्रा करने से बचना चाहिये। पति-पत्नी के बीच झगड़े होने की सम्भावना बन रही है। पुरानी कड़वी यादें अचानक आपके सामने आ सकती हैं।

मिथुन
आज दिन की शुरुआत आपके लिये बहुत अच्छी रहेगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहने वाली है। व्यापार में नयी तकनीक का काफी अच्छा प्रयोग करेंगे।

कर्क
आपके परिजन आपसे इस समय अत्यधिक अपेक्षा रख रहे हैं। इसीलिये आप उन्हें समय देने का प्रयास करेंगे। नयी नौकरी ढूँढ रहे हैं तो समय बहुत ही अच्छा है।

सिंह
राजनीति से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में हानि हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों का मन काम में नहीं लगेगा। व्यर्थ बातों पर ध्यान न दें। बच्चों पर पना क्रोध निकाल सकते हैं।

कन्या
सहकर्मियों के साथ सामंजस्य में कमी महसूस होगी। लोग आपकी अत्यधिक आलोचना भी कर सकते हैं। मित्रों से भी अधिक सहयोग की अपेक्षा न रखें।

तुला
व्यवसाय में विस्तार करने के लिये समय बहुत ही शुभ है। प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तम सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। धार्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे।

वृश्चिक
अपने व्यवहार को सन्तुलित रखें। क्रोध के कारण आपके प्रति लोग नकारात्मक भाव अपना सकते हैं। अपने काम को लेकर दूसरों से अधिक राय न लें।

धनु
आर्थिक स्थिति बहुत ही उन्नत रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को अचानक नयी जॉब ऑफर हो सकती है। काफी दिनों से चली आ रही परेशानी दूर होगी। आप अपना काम काफी अच्छी तरह से पूरा करेंगे।

मकर
आज आर्थिक लेन-देन में सावधानी रखें। वैवाहिक जीवन अत्यन्त तनावयुक्त हो सकता है। आज आपका मन घर में नहीं लगेगा। अड़ियल रवैये के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं।

कुंभ
सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विरोधी आपसे पराजित होंगे। शुभ समाचार मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। छोटी यात्राओं के योग बन रहे हैं।

मीन
करियर को लेकर तनाव हो सकता है। घर के काम में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। शेयर मार्केट में बड़ा निवेश न करें, अन्यथा आर्थिक हानि होने की सम्भावना भी बन रही है।

संक्षिप्त समाचार

श्री श्री,1008 विशाल भण्डारा चमत्कारी सिद्ध श्री हनुमान मन्दिर मे होगा। भण्डारा

चमकता राजस्थान/कश्मीर सिंह खैरथल तिजारा। विधान सभा किशनगड बास के अलवर रोड पर श्री श्री 1008 श्री चमत्कारी सिद्ध . श्री हनुमान मन्दिर पर होगा। विशाल भण्डारा 29 मई 2026 दिन शुक्रवार को होगा रामायण का पाठ आरंभ प्रतः7.15 बजे
हवन 30 मई 2026 शनिवार प्रतः9.30 भंडारा प्रतः होगा। 11.30 प्रोगराम स्थान अलवर रोड़ वाटर सप्लाई किशनगढ़ बास श्री श्याम सेवा मंडल किशनगढ़ बास निवेदक समस्त ग्राम वासी नगर पालिका किशनगढ़ बास जिला खैरथल तिजारा

प्री डी एल एड परीक्षा मे सीकर में छात्रो से ज़्यादा छात्राओ ने लिया भाग

चमकता राजस्थान/के.डी.शर्मा सीकर। सीकर मे रानोली स्थित मोहरी देवी माधव महाविद्यालय में प्रीं डीएल एड परिक्षा को लेकर छात्रो मे उत्साह देखने को मिला यहा उपस्थिती को लेकर बात करें तो छात्रो से ज्यादा छात्राए परिक्षा देने के लिए पहुंची और इस सेन्टर पर उपस्थिति 90 प्रतिशत रही परिक्षा मे प्रवेश को लेकर छात्र छात्राओ की गहनता से जांच कर परिक्षा में प्रवेश की अनुमती दी गई परिक्षा में छात्रो की जांच के लिये राजस्थान पुलिस से ईश्वर राम ऐवं महिला पुलिस में रजनी एवं स्कूल स्टाफ मौजूद रहा । समय को ध्यान में रखते हुए प्रथम पारी का विद्यालय गेट 8.30पर बन्द कर दिया गया इसके बाद किसी भी छात्र छात्रा को प्रवेश की अनुमति नहीं रही।

धौलपुर मुस्तफाबाद गांव में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान होने की आशंका

चमकता राजस्थान/अनिल शेखर। धौलपुर जिले के मुस्तफाबाद गांव में मंगलवार देर शाम भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे कई घरों और पशु बाड़ों में रखा सामान जलकर राख हो गया। घटना में लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। वहीं सूचना पर दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग की चपेट में घरेलू सामान, अनाज, फर्नीचर एवं अन्य जरूरी सामग्री के जलने की जानकारी सामने आई है।

ग्रामीणों के अनुसार आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना के बाद पीड़ित परिवारों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं

फिल्म अभिनेता ने किया चालू पक्षियों के लिए परीडा अभियान

चमकता राजस्थान/दौसा/खवारावजी (दीपक शर्मा बामनवास) । भीषण गर्मी को देखते हुए कई सामाजिक संगठनों ने पक्षियों के लिए उनकी प्यास बुझाने के लिए मोर्चा खोल रखा है इसी कड़ी में फिल्म अभिनेता जीतू वर्मा उर्फ जोजो फिल्म नगरी मुंबई से अपने गांव आए तो उन्होंने सभी लोगों से अनुरोध किया कि परिंदा अभियान चला कर पक्षियों की प्यास बुझाने का जतन करें और स्वयं इस पुण्य कार्य में लग गए साथ में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, डा प्रदीप गुप्ता, सुनील मीना पुरुषोत्तम, श्रद्धा मेहरा ल्ले, रिंकू लखेरा गुड्डी गुर्जर निशा कुमारी बनवारी लाल दर्जी, बनवारी शर्मा एवं काफी संख्या में गांव के लोग रहे।

गर्व का पल – परिवार और क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि

चमकता राजस्थान/श्रीगंगानगर (संजय बिश्नोई)। रायसिंहनगर क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि श्री बलविंद्र सिंह 20 पी.एस. ने सहायक उप निरीक्षक (ASI) से उप निरीक्षक (SI) परीक्षा उत्तीर्ण कर शानदार सफलता हासिल की है। उनकी मेहनत, लगन और ईमानदार सेवा का यह परिणाम पूरे परिवार एवं क्षेत्र के लिए सम्मान और खुशी का विषय है। इस उपलब्धि पर सभी मित्रों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों की

ओर से श्री बलविंद्र सिंह जी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे आगे भी इसी तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करें और समाज व विभाग का नाम रोशन करते रहें।

झालावाड़ में पान की दुकानों पर भण्डार की सप्लाई की चर्चा।

झालावाड़ सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार लिमिटेड में किराने की सप्लाई मे बड़ा फर्जीवाड़ा

संविदा कर्मियों द्वारा किराने के सामानो मे निजी फर्म से सप्लाई का खेल ।

चमकता राजस्थान

अभिषेक सिंह झाला/झालावाड़। झालावाड़ उपभोक्ता भण्डार हमेशा से चर्चा का विषय रहा है, लेकिन अब चर्चाएं पान की दुकान पर सप्लाई व भ्रष्टाचार को रोशन कर रही है। सुत्रो के हवाले से आई जानकारी आम आदमी के नाक कान आंखें खोलने के लिए पर्याप्त है।

एक मुहावरा याद आता है ऊंट के मुंह में जीरा, लेकिन जो फर्जी वाड़ा सामने आया है, उससे लगता है कि जीरे का पूरा खेत साफ करने की तैयारी है। सुत्रो से प्राप्त जानकारी के मुताबिक उपभोक्ता भण्डार

से विभिन्न सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं में खासकर स्कूलों, सरकारी आवासियों होस्टलों में जो किराना सामग्री सप्लाई हो रही है।

वो किसी टेंडर शुदा फर्म नहीं, बल्कि संविदा कर्मियों की नीजी फर्मों से सप्लाई हो रही है। एक संविदा कर्मी ने तो स्वयं की पत्नी के नाम पर फर्म बना रखी , उस फर्म से उपभोक्ता भण्डार में किराना सामग्री भण्डार में सप्लाई होने का मामला सामने आया है। सबसे बड़ा खेल तो यह है कि इस फर्जी को सफल बनाने में एक सहकारी बैंक का अधिकारी सहित जिम्मेदारी विभिन्न संस्थाओं के प्रधान भी शामिल हैं। इसका राजफाश तो आगे के अंकों में मय प्रमाण के साथ खुलासा करेंगे।

सरकार द्वारा संस्थाओं की सीधी ख़रीदी व गुणवत्तापूर्ण सामग्री सप्लाई के खुले बाजार से खरीदी के स्थान पर उपभोक्ता भण्डार से खरीदी के आदेश जारी किये थे । लेकिन सामग्री सप्लाई के नाम पर जो तंत्र भण्डार में विकसित हुआ है , जिसने नियम कायदों को ताक में रखकर अपने घर की दुकान चमकाने का फार्मूला लागू कर दिया। सुत्र बताते हैं पूर्व में जीन व्यापारियों या टेंडर शुदा फर्मों से सामग्री की ख़रीद होती थी। उनके लाखों रुपए का भुगतान कमीशन नहीं देने एवज में रुका हुआ है। पार्टीयां भुगतान प्राप्त करने के लिए बार बार भण्डार के चक्कर काट रही है।वही दुसरी ओर सेटिंग से सामग्री सप्लाई फर्मों व संविदा कर्मियों की फर्मों का भुगतान 15 से 20 दिन में किया जा रहा है।

दिवा शहर की स्वच्छता के लिए पहल: दुकानदार अपने दुकानों में डस्टबिन रखें – नगरसेवक एड. आदेश भगत की मांग

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/दिवा। दिवा शहर में बढ़ती गंदगी की समस्या को देखते हुए शिवसेना नगरसेवक एड. आदेश भगत ने सहायक आयुक्त को लिखित निवेदन देकर शहर के छोटे-बड़े दुकानदारों को अपनी दुकानों में कचरापेटी (डस्टबिन) रखने के निर्देश जारी करने की मांग की है।

पिछले कुछ वर्षों में दिवा शहर का तेजी से शहरीकरण हुआ है, जिससे स्वच्छता का मुद्दा और गंभीर बन गया है। दिवा तथा आसपास के कई गांवों के लिए यह शहर मुख्य बाजारपेठ बन चुका है। बढ़ती ग्राहक संख्या के कारण यहां बड़ी संख्या में छोटी-बड़ी दुकानें,

होटल, स्नैक्स कॉर्नर और गोदाम शुरू हुए हैं। लेकिन अधिकांश दुकानों में डस्टबिन की व्यवस्था नहीं होने से ग्राहकों और व्यापारियों द्वारा कचरा सीधे सड़कों पर फेंका जा रहा है, जिससे गंदगी बढ़ती जा रही है।

इस संबंध में एड. आदेश भगत ने प्रशासन को दिए गए निवेदन में कहा कि, ''दिवा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए प्रशासन के साथ-साथ नागरिकों, व्यापारियों और समाज के सभी घटकों को आगे आना होगा। यदि प्रत्येक दुकान, होटल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान में छोटी सी डस्टबिन रखी जाए, तो सड़कों पर कचरा फेंकने की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।''

उन्होंने नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि, ''जहां कचरापेटी उपलब्ध है, वहां नागरिकों को जिम्मेदारी के साथ कचरा उसी में डालना चाहिए। सड़कों, इमारतों के पीछे या खाली जगहों पर कचरा फेंकने की आदत बंद होनी चाहिए। नागरिकों का सहयोग मिला तो 'स्वच्छ दिवा, सुंदर दिवा' का सपना निश्चित रूप से पूरा किया जा सकता है।''

नगरसेवक एड. आदेश भगत की इस मांग के बाद दिवा शहर की स्वच्छता का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है और अब प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है, इस ओर नागरिकों की नजरें टिकी हुई हैं।

पिंक पेटल्स 2026 के पोस्टर का हुआ विमोचन, होम्योपैथिक कांफ्रेंस 14 जून को

चमकता राजस्थान/जयपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ होम्योपैथिक फिजिशियंस राजस्थान शाखा द्वारा एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला 14 जून को गोपाल पुरा स्थित होटल मिस्टिक फॉल्स में आयोजित की जाएगी। प्रदेश महासचिव डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि इस कार्यशाला में कनाडा से डॉ रोबिन पोलॉक मानसिक रोगों पर,पंजाब से डॉ विदुर विट्ठल ऑटिज़्म पर एवं राजस्थान से डॉ अशोक लाडूना बियोंड लॉ ऑफ़ सिमिलर पर अपने पेपर प्रेजेंट करेंगे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य होम्योपैथी में हो रहे अनुसंधान एवम विकास को जन जन तक पहुंचाना है।

भीषण गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने आगे आई संत कबीर सोसाइटी, भवानीमंडी में लगाए परिंडे

चमकता राजस्थान/उन्हेल नागेश्वर/ गोवर्धन सिंह। भवानीमंडी बढ़ती गर्मी और तेज धूप के बीच बेजुबान पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से संत कबीर एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसाइटी ने पहल करते हुए झालावाड़ जिले के भवानीमंडी शहर में विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए। इस अभियान का उद्देश्य भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी उपलब्ध कराना और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

सोसाइटी के अध्यक्ष दिलीप मेहर ने बताया कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए सोसाइटी द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से परिंडे लगाए जाएंगे, ताकि पक्षियों को पानी की सुविधा मिल सके। उन्होंने आमजन से भी अपने घरों और आसपास पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील की।

इस अवसर पर मेहर समाज के जिला अध्यक्ष चेतराज गेहलोत, वरिष्ठ समाजसेवी कालूराम मैनेजर, सोसाइटी उपाध्यक्ष विनय प्रकाश, जिला पर्यावरण संरक्षण प्रभारी मोहित पटेल, जिला संयोजक हेमन्त कुमार, सोसाइटी सदस्य प्रभुलाल मेहर, देवीलाल मेहर, रमेश लाल मेहर (अध्यापक), दिनेश कुमार मेहर, ताराचंद मेहर, दिलीप मेहर, पवन कुमार एवं पवन मेहर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की मुहिम बनी सामाजिक सरोकार की मिसाल।

सहारनपुर में 'ऑपरेशन सवेरा' के तहत बड़ी कार्रवाई, 113 ग्राम अवैध चरस के साथ शातिर नशा तस्कर प्रवेश कुमार गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/अब्दुल खालिद/सहारनपुर। परिक्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार और ड्रग तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ''ऑपरेशन सवेरा झ्र नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर'' के तहत थाना सदर बाजार पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और थाना प्रभारी सदर बाजार के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 19 मई 2026 को चैकिंग के दौरान मुखबिर की सटीक सूचना पर काशीराम बस स्टैंड के पीछे पैरामाउंट कॉलोनी के पास से एक शातिर नशा तस्कर प्रवेश कुमार (पुत्र चन्द्रदास, निवासी बालाजी पुरम, सहारनपुर) को घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा ली गई अमली तलाशी में अभियुक्त के कब्जे से 113 ग्राम अवैध चरस बरामद की गई, जिसके बाद उसके खिलाफ थाना सदर बाजार में मु0अ0सं0 261/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। पकड़ा गया अभियुक्त प्रवेश कुमार एक आदतन और शातिर अपराधी है, जिसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पहले से ही सहारनपुर के विभिन्न थानों (सदर बाजार, कोतवाली देहात, कुतुबशेर और जनकपुरी) में चोरी, बिजली अधिनियम और आबकारी अधिनियम के करीब आधा दर्जन मामले दर्ज हैं; पुलिस टीम (व0उ0नि0 विपिन कुमार, उप-निरीक्षक अमरीश कुमार, हेड कांस्टेबल कपिल कुमार, कांस्टेबल अरुण व सुशील) द्वारा पकड़े गए इस तस्कर के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मानपुर में भीषण आग का तांडव

- शॉर्ट सर्किट से भड़की आग, 3 बीघा सफेता का बाग जलकर राख

चमकता राजस्थान/अनिल शेखर/मानपुर। आज दोपहर करीब 3 बजे गांव मानपुर में लंगोटपुरा और बुद्धा के पुरा के बीच स्थित सफेता के पेड़ों के बाग में अचानक भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि बिजली के तारों में हुए शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की, जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया।

आग इतनी भयंकर थी कि करीब 3 बीघा में फैला सफेता का बाग इसकी चपेट में आ गया। वहीं सिंचाई के लिए रखे लगभग 200 पाइप भी जलकर पूरी तरह राख हो गए। इस हादसे में बाग मालिक बलवीर सिंह छोटा मानपुर को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देता रहा, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता देने की मांग की है ताकि हुए भारी नुकसान की भरपाई हो सके। इस घटना की जानकारी स्थानीय निवासी रोहित गुर्जर मानपुर ने दी।

जल जीवन मिशन की खुली पोल: करोड़ों खर्च फिर भी बदबूदार पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

चमकता राजस्थान

रायसिंहनगर (संजय बिश्नोई) । एक तरफ सरकार जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर बॉर्डर क्षेत्र के गांव बरूवाला में हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। गांव के वाटर वर्क्स में बनी पानी की डिग्गी घटिया निर्माण सामग्री के कारण क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिसके चलते ग्रामीणों को बदबूदार और गंदा पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों रुपए का बजट पास होने के

बावजूद निर्माण कार्य में भारी अनियमितताएं बरती गईं। ठेकेदारों ने घटिया सामग्री का उपयोग कर निर्माण कार्य पूरा दिखा दिया और बाद में जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से मामला दबा दिया गया। अब स्थिति यह है कि डिग्गी क्षतिग्रस्त होने से पानी दूषित हो रहा है और गांव में बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है।

बरूवाला गांव के लोगों ने जलदाय विभाग की कार्यशैली के खिलाफ आज वाटर वर्क्स परिसर में धरना प्रदर्शन किया। ग्रामीणों

ने आरोप लगाया कि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शिकायतों के बावजूद कोई ध्यान नहीं दे रहे। लोगों का कहना है कि बिना जांच-पड़ताल करोड़ों का बजट पास किया जा रहा है और जनता की मेहनत की कमाई को ठेकेदारों के माध्यम से बर्बाद किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यह समस्या केवल बरूवाला गांव तक सीमित नहीं है। जहां-जहां वाटर वर्क्स और डिग्गियों का निर्माण हुआ है, वहां इसी प्रकार की खामियां देखने को मिल रही हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण कार्यों में बड़े स्तर पर लापरवाही और भ्रष्टाचार हुआ है। गांव पहले से ही सेम की समस्या से जूझ रहा है और अब दूषित पेयजल ने लोगों की परेशानियां और बढ़ा दी हैं। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और दोषी ठेकेदारों व जलदाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार ग्रामीणों की इस पीड़ा को सुनेगी, या फिर करोड़ों रुपए के बजट की यह कहानी भी फाइलों में दबकर रह जाएगी?

आधी रात तबादला सूची जारी, भीलवाड़ा एसपी धर्मेन्द्र सिंह का तबादला, दौसा एसपी सागर बने

चमकता राजस्थान

महेश कुमार बिड़ला रिपोर्टर /मांडल भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के नए पुलिस कप्तान, सिंह को चित्तौड़गढ़ भेजा गया राज्य सरकार द्वारा मंगलवार देर रात करीब 1 बजे जारी पुलिस तबादला सूची ने प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हलचल मचा दी। जारी आदेश में भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह का तबादला कर उन्हें चित्तौड़गढ़ भेजा गया है, जबकि दौसा एसपी सागर को भीलवाड़ा जिले की कमान सौंपी गई है। तबादला सूची सामने आते ही पुलिस विभाग सहित जिलेभर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया। देर रात तक अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच नए बदलाव को लेकर चर्चाएं चलती रहीं।

● धर्मेन्द्र सिंह के कार्यकाल में चली ताबड़तोड़ कार्रवाई

भीलवाड़ा एसपी के रूप में धर्मेन्द्र सिंह का कार्यकाल अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए चर्चित रहा। उनके नेतृत्व में जिले में चोरी, चैन स्नैचिंग, मंदिर चोरी, अवैध खनन, मादक पदार्थ तस्करी और हिस्ट्रीशीटर बदमाशों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए गए। कई चर्चित मामलों का खुलासा कर पुलिस ने बड़ी सफलताएं हासिल की थीं।

● दौसा एसपी सागर संभालेंगे कमान

सरकार ने दौसा में पदस्थ एसपी सागर को अब भीलवाड़ा जिले का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया है। जिले में कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को लेकर अब नए एसपी के कामकाज पर सबकी नजरें रहेंगी।

● आधी रात आदेश से मचा प्रशासनिक हलचल

रात 1 बजे जारी तबादला सूची के बाद पुलिस महकमे में अचानक हलचल बढ़ गई। राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में भी इस बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब देखना होगा कि नए एसपी सागर जिले में अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था को लेकर क्या नई रणनीति अपनाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवा कांग्रेस चुनाव 2026 के अंतिम दिन प्रत्याशियों ने झोंकी पूरी ताकत

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर (संजय बिश्नोई)। राजस्थान युवा कांग्रेस चुनाव 2026 के अंतिम दिन चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने अपने पक्ष में अधिक से अधिक मतदान और सदस्यता करवाने को लेकर पूरी ताकत झोंक दी। इसी क्रम में राजस्थान युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष पद के दावेदार दिनेश ठोलिया ने अपनी टीम के साथ शहर में डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चलाया।

शहर के विभिन्न वार्डों, बाजारों और मोहल्लों में पहुंचकर दिनेश ठोलिया और उनकी टीम ने युवाओं से संपर्क किया तथा युवा कांग्रेस के पक्ष में सदस्यता अभियान चलाते हुए अपने समर्थन में मतदान की अपील की। इस दौरान टीम ने घर-घर और दुकान-दुकान जाकर युवाओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास किया।

मीडिया से बातचीत करते हुए दिनेश ठोलिया ने बताया कि पिछले एक महीने से उनकी टीम लगातार रायसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र के गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर युवा कांग्रेस के पक्ष में सदस्यता अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं का उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है और उनकी टीम ने विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक सदस्यता करवाने का कार्य किया है।

उन्होंने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा कि युवा कांग्रेस को मजबूत बनाने और युवाओं की आवाज को संगठन तक पहुंचाने के उद्देश्य से उनकी टीम लगातार मेहनत कर रही है। चुनाव के अंतिम दिन भी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरे शहर में प्रचार अभियान तेज गति से चलता रहा।

प्रचण्ड गर्मी के मद्देनज़र मनरेगा कार्यों का समय परिवर्तित

● 30 जून तक प्रातः 5:30 से दोपहर 12:30 बजे तक होंगे मनरेगा कार्य

चमकता राजस्थान/ राजूराम मेघवाल/ चीफ ब्यूरो जोधपुर। महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत जिले में वर्तमान में पड़ रही प्रचण्ड गर्मी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए कार्यों के समय में परिवर्तन किया गया है।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री आशीष कुमार मिश्रा द्वारा जारी आदेशानुसार महात्मा गांधी नरेगा अधिनियम, 2005 की अनुसूची-1 के पैरा 19 के तहत श्रमिकों के लिए 8 घंटे की कार्य अवधि, जिसमें 1 घंटे का विश्रामकाल शामिल है, निर्धारित है।

आयुक्त, जयपुर के पत्रांक दिनांक 15 मई 2026 के क्रम में जिले में मनरेगा कार्यों का समय प्रातः 5.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक (विश्राम काल रहित) निर्धारित किया गया है। आदेशानुसार यदि कोई श्रमिक समूह निर्धारित टास्क के अनुसार कार्य समय से पूर्व पूर्ण कर लेता है तो वह कार्य की माप मेट के पास उपलब्ध मस्टरोल में अंकित टास्क प्रपत्र में इन्द्राज करवाने एवं समूह के मुखिया के हस्ताक्षर उपरांत प्रातः 11 बजे के पश्चात एनएमएमएस की निर्धारित प्रक्रिया अनुसार दूसरी पारी की हाजिरी अंकित करवाकर कार्यस्थल छोड़ सकेगा। यह व्यवस्था 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी। इसके उपरांत कार्यों का समय जिला कलक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक, ईजीएस द्वारा स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जा सकेगा।

नि:शुल्क जल सेवा से धौलपुर जंक्शन पर यात्रियों को मिली राहत, जनहित पहल की सराहना

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर जिले की खबर। मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा अंकित गुप्ता के निर्देशन में धौलपुर जंक्शन स्टेशन पर राधे-राधे संस्था द्वारा निःशुल्क जल सेवा का आयोजन किया जा रहा है। भीषण गर्मी के बीच यात्रियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई, इस सेवा को यात्रियों द्वारा सराहा जा रहा है। सेवा के अंतर्गत धौलपुर जंक्शन स्टेशन से होकर गुजरने वाली विभिन्न ट्रेनों के यात्रियों को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। गर्मी के मौसम में स्टेशन पर पहुंचने वाले यात्रियों को इस व्यवस्था से काफी सुविधा मिल रही है। संस्था के सदस्यों द्वारा लगातार यात्रियों को पानी वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया जा रहा है। इस अवसर पर मंडल वाणिज्य निरीक्षक धौलपुर मगन मीना, स्टेशन अधीक्षक एवं रेलवे कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने यात्रियों की सुविधा के लिए किए जा रहे इस जनहितकारी कार्य की सराहना की तथा संस्था के प्रयासों को प्रेरणादायक बताया। रेलवे प्रशासन की ओर से बताया गया कि आगरा मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में भी इस प्रकार की जनकल्याणकारी एवं सामाजिक सेवाओं को बढ़ावा दिया जाता रहेगा, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान अधिक से अधिक सुविधाएं मिल सकें।

ग्राम पंचायत कोलूखेड़ी मालियान में गंदगी का अंबार, सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी की लापरवाही से ग्रामीणों का जीना मुहाल

चमकता राजस्थान

मनोहर थाना दिनेश शर्मा (झालावाड़)। पंचायत समिति मनोहर थाना की ग्राम पंचायत कोलूखेड़ी मालियान इन दिनों विकास के दावों की धज्जियां उड़ा रही है। स्वच्छ भारत मिशन के नारों को ठेंगा दिखाते हुए पूरी पंचायत गंदगी के दलदल में तब्दील हो चुकी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी (VDO) की घोर लापरवाही और उदासीनता के कारण गांव का हाल बेहाल है।

● सड़कों पर बह रहा कीचड़, उठ रही सड़ांध

ग्राम पंचायत के मुख्य रास्तों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर नालियों का गंदा पानी और कचरे के ढेर जमा हैं। नालियों की समय पर सफाई न होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे राहगीरों और स्कूली बच्चों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव में चारों तरफ फैली गंदगी के कारण भयंकर बदबू आ रही है, जिससे लोगों का सांस लेना भी दूभर हो गया है।

● बीमारियों का बढ़ा खतरा, प्रशासन बेखबर

स्थानीय ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि भीषण गर्मी के इस मौसम में जगह-जगह रुके हुए गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है। गांव में मलेरिया, डेंगू और त्वचा संबंधी संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

ग्रामीणों का फूटा गुस्साः ?हमने कई बार सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी को इस नरकीय स्थिति से अवगत कराया और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। लेकिन दोनों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। ऐसा लगता है कि जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ कागजों में विकास कर रहे हैं, धरातल पर जनता को परेशान होने के लिए छोड़ दिया गया है।

● सवालों के घेरे में सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी

ग्रामीणों ने सीधे तौर पर सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी की कार्यप्रणाली पर मिलीभगत और लापरवाही के आरोप लगाए हैं। जनता का पूछना है कि सफाई के नाम पर आने वाला सरकारी बजट आखिर कहां ठिकाने लगाया जा रहा है?

पुलिस ने किया खुलासा, 4 करोड़ से ज्यादा के 464 लैपटॉप बरामद

● इस कार्रवाही में कांस्टेबल सहाबुद्दीन की मुख्य भूमिका रही

चमकता राजस्थान/राकिब खांन। डीग जिला पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ के निर्देशन में पहाड़ी थाना पुलिस व ऊळ टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र पुलिस के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 4 करोड़ 14 लाख 2 हजार 900 रुपये कीमत के 464 लैपटॉप व घटना में प्रयुक्त एक मारुति बालेनो कार बरामद कर एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र से लैपटॉप से भरी गाड़ी को लूटकर आरोपी पहाड़ी क्षेत्र में ले आए थे। मामले की सूचना मिलने पर ऊळ टीम व पहाड़ी पुलिस ने संयुक्त रूप से दबिश देकर कार्रवाई को अंजाम दिया। मामले में गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजहरुद्दीन उर्फ हजरुद्दीन पुत्र इदरीश निवासी गांव खल्लूका थाना पहाड़ी जिला डीग के रूप में हुई है। आरोपी की उम्र 28 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर आपराधिक प्रवृत्ति का है तथा उसके खिलाफ पहले भी इसी प्रकार के दो मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने बताया कि कुल माल की कीमत लगभग 5 करोड़ 72 लाख रुपये है, जिसमें से अब तक 464 लैपटॉप बरामद किए जा चुके हैं, जबकि शेष 176 लैपटॉप की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

ऑनलाइन दवा बिक्री और नकली दवाओं के विरोध में मेड़ता रोड व मेड़ता सिटी के मेडिकल स्टोर रहे बंद

चमकता राजस्थान/मेड़ता रोड/एजाज़ अहमद उस्मानी। ऑनलाइन दवा बिक्री तथा बाजार में बढ़ रही नकली और घटिया गुणवत्ता की दवाइयों के विरोध में बुधवार को मेड़ता रोड और मेड़ता सिटी क्षेत्र के सभी मेडिकल स्टोर पूर्ण रूप से बंद रहे। यह बंद 'ऑल इंडिया एवं राजस्थान केमिस्ट एसोसिएशन' के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय दवा विक्रेताओं ने भी एकजुट होकर समर्थन दिया। बंद के दौरान मेड़ता रोड और आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश मेडिकल दुकानें दिनभर बंद नजर आईं। केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन फार्मेसी के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय मेडिकल व्यवसाय प्रभावित हो रहा है, वहीं बिना उचित चिकित्सकीय परामर्श और सत्यापन के इंटरनेट के माध्यम से दवाइयों की बिक्री आमजन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। एसोसिएशन ने कहा कि वर्तमान समय में बाजार में नकली एवं निम्न गुणवत्ता वाली दवाइयों का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। संगठन का कहना है कि कई बार मरीज अनजाने में ऐसी दवाइयों का सेवन कर लेते हैं, जिससे बीमारी बढ़ने के साथ-साथ जान का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। केमिस्ट एसोसिएशन की प्रमुख मांगों में ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण, दवाइयों की बिक्री के लिए कड़े नियम लागू करना तथा नकली दवाओं के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई करना शामिल है। पदाधिकारियों ने कहा कि यह आंदोलन केवल व्यापारिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

भारत बंद के समर्थन में डग के दवा व्यापारियों ने रखीं दुकानें बंद, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

● आपातकालीन सेवाएं रहीं जारी

चमकता राजस्थान/डग-20 मई(कुन्दन व्यास)। केमिस्ट एलायंस और भारतीय दवा व्यापार संघ के आह्वान पर आज भारत बंद के क्रम में डग ब्लॉक के समस्त दवा व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। सभी केमिस्ट एकत्रित होकर गणेश चौक स्थित श्री जी मेडिकल पर जुटे और वहां से रैली के रूप में तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार शिव सिंह को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन का वाचन ललित जैन के द्वारा किया। ज्ञापन में दवा व्यापारियों की विभिन्न मांगों और समस्याओं का उल्लेख किया गया। व्यापारियों ने कहा कि सरकार की नीतियों से दवा व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।इस अवसर पर डग के वरिष्ठ केमिस्ट मुश्ताक गोरी, जिला केमिस्ट एसोसिएशन के सह सचिव सुनील व्यास,ब्लॉक डग से ललित जैन, राकेश जैन, अर्पित जाजू, इरशाद,चंद्रशेखर परमार,जगदीश रत्नावत, ईश्वर सिंह, अश्वनी व्यास, किशोर योगी, फहीमुद्दीन, महेश शर्मा, जिशान,आशीष जैन,मनोज शर्मा,प्रिंस सोनी, पंकज जैन, हर्ष जैन, दिलीप सिंह मौजूद रहे।अन्य क्षेत्रों से भी पहुंचे व्यापारी में आवर से दिलीप जैन, सर्वोदय मेडिकल,तथा पगारिया से राधेश्याम व्यास सहित बड़ी संख्या में दवा व्यापारी ज्ञापन देने पहुंचे।सभी ने एक स्वर में अपनी मांगों के जल्द निराकरण की मांग की।केमिस्ट एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि भारत बंद के दौरान मानवता को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन दवाओं की आपूर्ति के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी,ताकि किसी भी मरीज को परेशानी न हो।व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

खेतों का रास्ता बंद होने से किसान परेशान, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान/खानपुर (झालावाड़)। क्षेत्र के ग्राम रामपुरा से रन्याखेड़ी मार्ग पर खेतों की ओर जाने वाले रास्ते के बदहाल होने और बबूल के पेड़ों के कारण रास्ता अवरुद्ध होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को तहसीलदार को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार ग्राम पंचायत को अवगत कराने के बावजूद इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

● चरनोई भूमि पर है मुख्य रास्ता

तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम रामपुरा से रन्याखेड़ी के बीच खसरा नंबर 256/538 से 273 तक की भूमि चारागाह (चरनोई) और ग्राम पंचायत भगवानपुरा के खाते में दर्ज है। इसी भूमि से होकर किसानों के खेतों (माल) की ओर जाने का मुख्य रास्ता गुजरता है। वर्तमान में यह रास्ता पूरी तरह खराब हो चुका है।

● क्षतिग्रस्त हो रहे हैं ट्रैक्टर और कंबाइन हार्वेस्टर

ग्रामीणों ने दर्द बयां करते हुए कहा कि रास्ते के बीचों-बीच भारी मात्रा में बबूल के पेड़ उग आए हैं। इस वजह से खेतों तक ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर और अन्य कृषि उपकरण ले जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार किसानों के कीमती वाहन इन पेड़ों से टकराकर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

● पेड़ काटने पर झगड़े उतारू हो रहे कुछ लोग

ज्ञापन में यह भी गंभीर आरोप लगाया गया है कि जब भी कोई काश्तकार खेतों के रास्ते को साफ करने या बबूल के पेड़ों को काटने का प्रयास करता है, तो आस-पास के कुछ खातेदार और रसूखदार लोग उनसे झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं। वे सरकारी और चारागाह भूमि पर उगे इन पेड़ों को हटाने नहीं दे रहे हैं।

रुपए के लेनदेन के विवाद में व्यापारी की हत्या, 10 साल पुराने व्यापारिक संबंध बने विवाद की वजह

चमकता राजस्थान

नागौर/मेड़ता रोड/एजाज़ अहमद उस्मानी। नागौर जिले के खींवसर थाना क्षेत्र में बोलेरो वाहन दुर्घटना में हुई मौत का मामला अब हत्या में बदल गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक की हत्या कर शव को बोलेरो गाड़ी सहित गहरे खड्डे में डालकर दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी पुनाराम जाट निवासी खुण्डाला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 25 जनवरी 2026 को परिवादी पन्नाराम पुत्र स्वर्गीय घमडाराम ने रिपोर्ट पेश कर बताया था कि उसके पिता घमडाराम 24 जनवरी को अपनी बोलेरो गाड़ी लेकर पांचला सिद्धा आश्रम में जागरण में जाने की बात कहकर घर से निकले थे। वापस लौटते समय उनकी गाड़ी सड़क किनारे गहरे खड्डे में गिरी मिली तथा घमडाराम का शव वाहन में पड़ा मिला। प्रारंभिक रिपोर्ट में परिवादी ने किसी प्रकार का संदेह नहीं जताया, जिस पर पुलिस ने मर्ग नंबर 03/2026 धारा 194 बीएनएसएस 2023 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक घमडाराम और पुनाराम के बीच पिछले करीब 10 वर्षों से अनाज व्यापार तथा रुपयों के लेनदेन की बात सामने आई। इसी दौरान परिवादी पन्नाराम ने अपने पिता की हत्या की आशंका जताते हुए आरोपी पुनाराम के खिलाफ रिपोर्ट दी। इसके बाद खींवसर थाना पुलिस ने प्रकरण संख्या 60/2026 धारा 103(1) बीएनएस 2023 में हत्या का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। पुलिस ने घटनास्थल और क्षतिग्रस्त बोलेरो वाहन का बारीकी से मौका मुआयना किया। जिला मुख्यालय से एफएसएल एवं एमओबी टीम को बुलाकर वैज्ञानिक जांच कराई गई। साथ ही मृतक और आरोपी के मोबाइल नंबरों की सीडीआर का विश्लेषण कर तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए।

अनुसंधान के दौरान पुलिस ने आरोपी पुनाराम पुत्र बीरमाराम जाट निवासी खुण्डाला को दस्तयाब कर गहन पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि मृतक घमण्डाराम बार-बार रुपयों की मांग कर रहा था, जिससे वह परेशान था। इसी कारण उसने हत्या की योजना बनाई।

दौसा जा रही एक महिला को बाईक सवार दो बदमाशों गले के जंतर को निशाना बनाया, बदमाशों ने महिला के गले से सोने का जंतर लूटा और फरार हो गए

चमकता राजस्थान

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के कुण्डल तहसील मुख्यालय क्षेत्र की घटना, दौसा जा रही एक महिला को बुधवार को कोलवा थाना क्षेत्र में बाईक सवार दो बदमाशों ने महिला की गले के जंतर को निशाना बनाया। पीपल्या की ढाणी के पास बदमाशों ने महिला के गले से सोने का जंतर लूट लिया और मोटर साईकिल से फरार हो गए। पीड़ित महिला नहना देवी पत्नी रामगोपाल मीणा ने बताया कि वह अपने निजी कार्य से दौसा जा रही थीं। पीपल्या की ढाणी में बाइक सवारों ने उन्हें रोका और रास्ता पूछा। रास्ता बताने के बाद जब वह आगे बढ़ने लगीं, तो पीछे से आकर बदमाशों ने उनके गले से सोने का जंतर काट लिया और मोटर साईकिल से भाग गए।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। ग्रामीणों ने कोलवा थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। कोलवा पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

कोलवा थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कुछ दिनों पहले एक मन्दिर से झालर चोरी हुई थी,दो महीने पहले कुण्डल के एक ज्वेलर्स के यहां से 64 लाख रुपये की चोरी हुई थी,जिसका खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है। क्षेत्र में बढ़ती चोरियों को लेकर आम जनता में गहरा रोष व्याप्त है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने दौसा रढ सागर राणा को भी ज्ञापन दिया गया था लेकिन उसके बाद भी पुलिस प्रशासन के द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

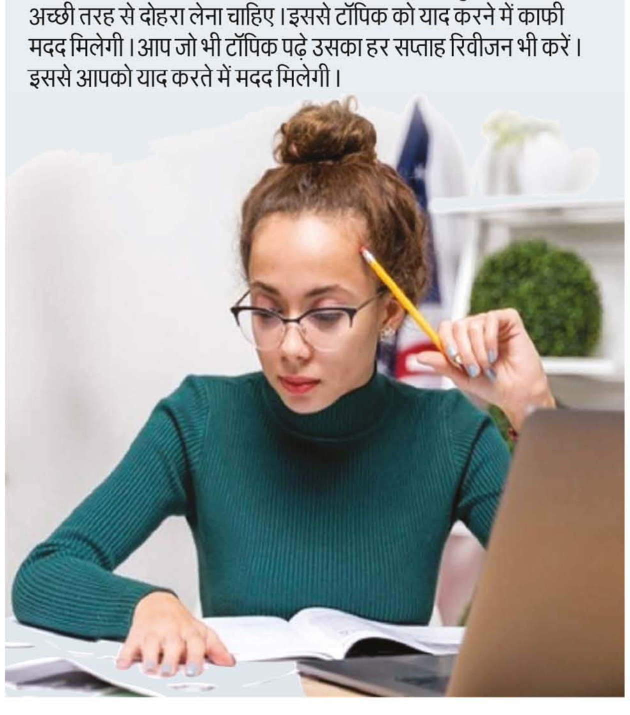

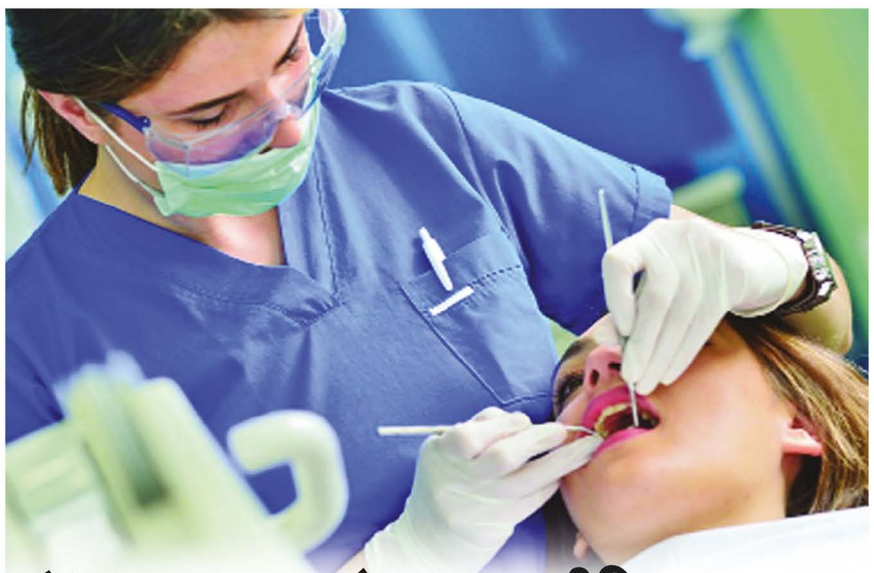

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण- यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम- कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम- एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम- कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

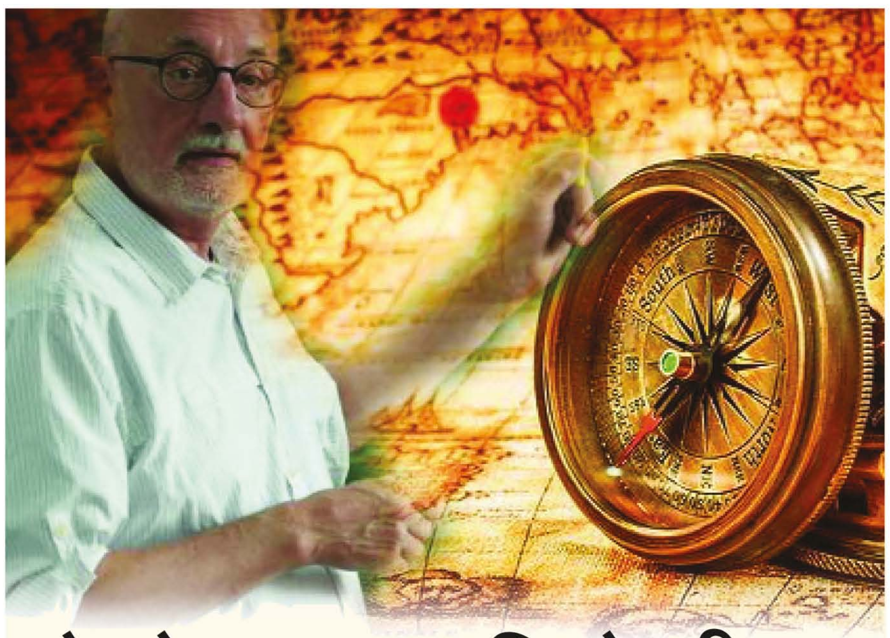

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहित है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं-

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

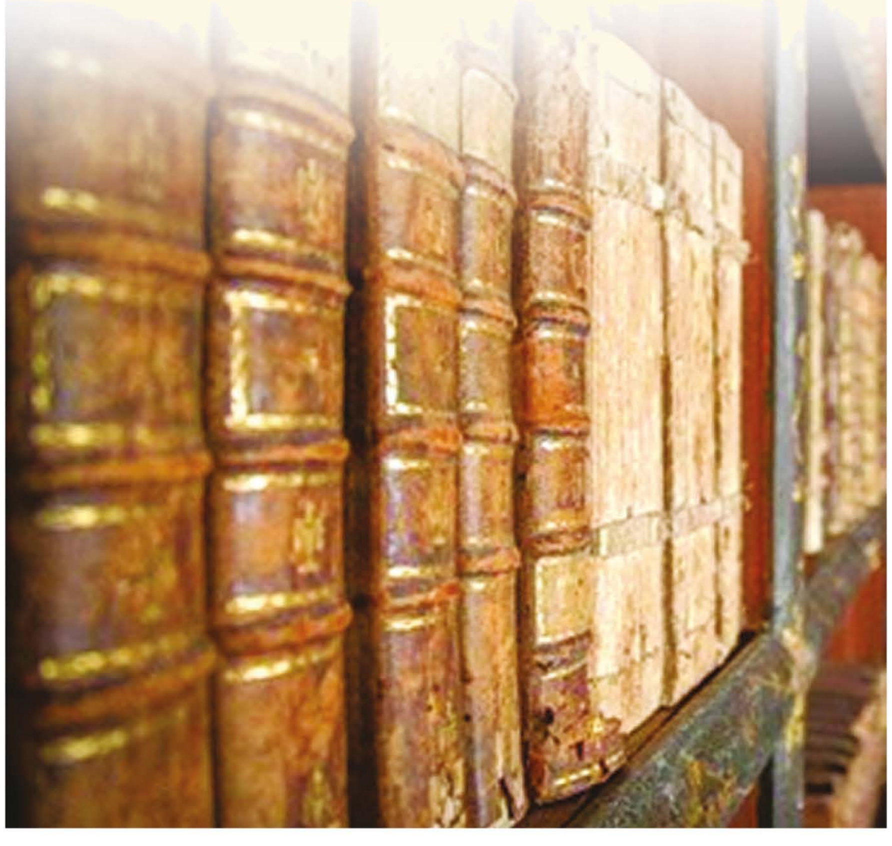

ऋषभ पंत की फिसली जुबा

प्रेजेंटेशन में लखनऊ टीम के लिए बोल गए अपशब्द

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स की 13 मैचों में नौवीं हार के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में टीम के लिए अपशब्द बोल गए। आईपीएल2026 में वे प्लेऑफ की दौड़ से बहुत पहले ही बाहर हो चुके हैं। टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे है और अब इस सीजन के खत्म होने से पहले उन्हें सिर्फ एक आखिरी मैच की औपचारिकता पूरी करनी है।

पंत शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जब उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के तौर पर गर्व महसूस करते हैं, चाहे अभी हमारी स्थिति कैसी भी हो। हमारी टीम जैसी है, हमें पता है कि हम जीत सकते हैं। चाहे कुछ भी हो, हम टीम और खिलाड़ी के तौर पर बहुत आत्मविश्वासी हैं। चीजें हमारे हिसाब से नहीं गई और ये सब जानते हैं, लेकिन इससे ये सच नहीं बदलता कि हम एक (अपशब्द) अच्छी टीम हैं।'

एलएसजी की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। खुद पंत का सीज़न बेहद खराब रहा है, जहां उन्होंने 12 पारियों में सात बार 20 या उससे कम रन बनाए। उनके आसपास के बड़े खिलाड़ी, जैसे- निकोलस पूरन भी फॉर्म में नहीं दिखे। यहां तक कि मिचेल मार्श, जिन्होंने हाल ही में शतक लगाया था और मंगलवार को 96 रन बनाए, उनका भी इस आईपीएल में आगाज धीमा रहा था। टीम डायरेक्टर टॉम मूडी ने माना कि खासकर मध्य क्रम का खराब प्रदर्शन, टीम के इस औसत प्रदर्शन की बड़ी वजह रहा, जिसकी वजह से टीम लगातार अंक तालिका के निचले हिस्से में रही।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ बल्लेबाजों ने ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के सामने बुरी तरह दबाव में आ गए। सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन बनाए जबकि जायसवाल ने 23 गेंदों में 43 रन की पारी खेली। ऋकके सलामी बल्लेबाजों ने 221 रन के लक्ष्य में से 75 रन सिर्फ 39 गेंदों में ही जोड़ दिए।

वनडे टीम से पांच बाहर;, रोहित-हार्दिक के खेलने पर भी संशय

टीम इंडिया में 4 नए खिलाड़ियों की एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 14 जून से तीन वनडे मैचों की सीरीज भी टीम इंडिया अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेलने उतरेगी। इन दोनों सीरीज के लिए 19 मई (मंगलवार) को टीम इंडिया का ऐलान किया गया है। वनडे और टेस्ट दोनों टीमों की कमान शुभमन गिल संभालेंगे। जबकि चार नए चेहरे इन दोनों सीरीज में नजर आने वाले हैं।

वनडे से 5 खिलाड़ियों की छुट्टी

भारत ने पिछली वनडे सीरीज आईपीएल और टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली थी। उस सीरीज में शामिल यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत और चोटिल हर्षित राणा बाहर हो गए हैं। इशान किशन की बतौर सेकंड विकेटकीपर टीम में वापसी हुई है। प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे का पहली बार भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है।

हार्दिक पंड्या अभी भी रिकवरी पर हैं

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या का भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है। मगर दोनों खिलाड़ियों को सब्जेक्ट टू फिटनेस टीम में जगह मिली है, यानी वे दोनों अगर फिट हुए तो ही प्लेइंग 11 में खेल पाएंगे। आईपीएल 2026 में दोनों को इंजरी से जूझते देखा गया है। रोहित वापसी कर चुके हैं लेकिन बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेल रहे हैं। जबकि हार्दिक पंड्या अभी भी रिकवरी पर हैं।

कौन से 4 नए खिलाड़ी शामिल

भारतीय टेस्ट टीम में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है। इसके चलते मानव सुतार और गुरनूर बराड़ को टेस्ट टीम में जगह मिली है। जबकि अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह कुलदीप यादव बतौर सीनियर स्पिनर हैं और हर्ष दुबे को पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ है। वनडे टीम में भी गुरनूर और हर्ष शामिल हैं, प्रिंस यादव नए चेहरे के रूप में वनडे टीम में नजर आएंगे।

किशन की वनडे टीम में वापसी

950 दिन पहले अफगानिस्तान के खिलाफ ही खेला था अंतिम मैच

नई दिल्ली। इशान किशन की पहले टी20 टीम में वर्ल्ड कप से पहले वापसी हुई। अब जब तैयारी शुरू होनी है वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तो उनका अब एकदिवसीय स्क्वाड में भी चयन हो गया है। इशान ने अपना आखिरी वनडे मैच 11 अक्टूबर 2023 को वनडे वर्ल्ड कप में ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। अब ठीक 950 दिन बाद ही उनका फिर से भारतीय वनडे टीम में चयन हो गया है। इशान किशन को टीम में बतौर सेकंड विकेटकीपर और बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया है। रोहित शर्मा की फिटनेस के आधार पर उनका सेलेक्शन हुआ है। अगर रोहित फिट नहीं होते हैं तो उनका प्लेइंग 11 में खेलने पर संशय है।

इशान किशन का वनडे रिकॉर्ड

इशान किशन को भारत के 2023 वनडे वर्ल्ड कप के स्क्वाड में भी बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया था। उन्होंने डेंगू से पीड़ित शुभमन गिल की जगह पहले दो मैच भी खेले थे। आखिरी बार वह वनडे टीम में अफगानिस्तान के खिलाफ ही नजर आए थे। इशान ने भारत के लिए अभी तक 27 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इशान के नाम 27 वनडे मैचों की 24 पारियों में 42.40 की औसत और 102.19 के स्ट्राइक रेट से 933 रन दर्ज हैं। उन्होंने वनडे में सात अर्धशतक और एकमात्र शतक लगाया है जो उनकी इस फॉर्मेट में एकमात्र डबल सेंचुरी भी था। किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ 210 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। उसके बाद से वह सिर्फ दो वनडे मैच ही खेले थे और अब तकरीबन तीन साल बाद वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बन चुके हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का स्क्वाड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

शानदार जीत से खत्म की सीरीज

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने भोपाल में खेले गए चार मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराकर शानदार अंदाज में जीत दर्ज की। उदय दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय साई सेंटर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मेहमान टीम को पूरी तरह दबाव में रखा।

हालांकि मैच की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ने शानदार अंदाज में की। पहले क्वार्टर के आठवें मिनट में ऑरोरा कोवासेविच ने गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई। लेकिन भारतीय कप्तान स्वीटी कुजूर ने 13वें मिनट में बराबरी का गोल कर टीम को मैच में वापसी दिला दी।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने पलटा मैच - पहले क्वार्टर के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ता गया। दूसरे क्वार्टर में दीया ने 25वें मिनट में गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और ऑस्ट्रेलियाई टीम को ज्यादा मौके नहीं दिए।

दूसरे हाफ में भारत का दबदबा - तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज ने 44वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को और मजबूत कर दिया। वहीं अंतिम क्वार्टर में नौशीन नाज ने 50वें मिनट में गोल दागकर भारत की 4-1 की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारतीय टीम ने पूरे दूसरे हाफ में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और ऑस्ट्रेलिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से जीती - हालांकि भारत ने आखिरी मुकाबला जीत लिया, लेकिन चार मैचों की सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से अपने नाम की। पहले मैच में भारतीय टीम को 3-4 से करीबी हार मिली थी। इसके बाद दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-1 से हराया। तीसरे मैच में भी भारतीय टीम संघर्ष के बावजूद जीत हासिल नहीं कर सकी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप

हारा पाकिस्तान, पर नुकसान भारत को हुआ, छठे स्थान पर खिसका

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	न्यूजीलैंड	3	2	0	1	28	77.78
3	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
4	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
5	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
6	भारत	9	4	4	1	52	48.15
7	इंग्लैंड	10	3	6	1	38	31.67
8	पाकिस्तान	4	1	3	0	4	8.33
9	वेस्टइंडीज	8	0	7	1	4	4.17

सिलहट (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराकर इतिहास रच दिया। सिलहट टेस्ट में 78 रन की जीत के साथ बांग्लादेश ने पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया। हालांकि इस नतीजे का असर भारत पर पड़ा, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 78 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में बड़ा फायदा हुआ, जबकि भारत को नुकसान झेलना पड़ा।

बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज 2-0 से क्लीनस्वीप की

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने आखिरी दिन संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम रिकॉर्ड रन चेज पूरा करने में नाकाम रही। मोहम्मद रिजवान ने एक छोर संभालते हुए शानदार 94 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह टीम को ऐतिहासिक जीत नहीं दिला सके। रिजवान के आउट होते ही पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गई और बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया।

रिजवान ने दिखाई लड़ाई, लेकिन नहीं मिला साथ

437 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने पांचवें दिन 316/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शुरुआत में रिजवान को जीवनदान भी मिला, जब मेहदी हसन मिराज ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद रिजवान और साजिद खान ने तेज बल्लेबाजी करते हुए आठवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े। साजिद खान 28 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम का शिकार बने। इसके बाद रिजवान अकेले लड़ते रहे, लेकिन शोरीफुल इस्लाम की गेंद पर आउट होकर शतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए। उन्होंने 166 गेंदों में 94 रन बनाए। आखिर में ताइजुल ने खुर्रम शहजाद का विकेट लेकर बांग्लादेश को 78 रन की शानदार जीत दिलाई।

ताइजुल इस्लाम बने जीत के हीरो

बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो लेफ्ट आर्म स्पिनर ताइजुल इस्लाम रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ताइजुल ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार दबाव बनाए रखा और अहम मौकों पर विकेट निकाले।

अनिल कुंबले ने माना, क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं वैभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना ??है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की रेंज और स्वभाव उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग करता है और वह आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सूर्यवंशी आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक 53 छक्के लगा चुके हैं और गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी करने से केवल छह छक्के दूर हैं।

इस 15 वर्ष के बल्लेबाज ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल हैं। इस तूफानी पारी की बदौलत उनकी टीम ने 221 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट से आसान जीत हासिल की।

'मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं, इसलिए जल्दबाजी नहीं' -वैभव सूर्यवंशी - राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में तहलका मचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 38 गेंदों में 93 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई। मैच के बाद वैभव ने अपनी पारी को लेकर बड़ा बयान दिया और बताया कि उन्होंने शुरुआत में संयम से बल्लेबाजी क्यों की।वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपनी ताकत पर पूरा भरोसा था और वह जानते थे कि वह किसी भी समय लगातार चौके-छक्के लगा सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने शुरुआत में जल्दबाजी नहीं की और विकेट पर समय बिताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यही थी कि मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्का लगा सकता हूं। इसलिए मैंने शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं की और मैच को आखिर तक ले जाने की कोशिश की।

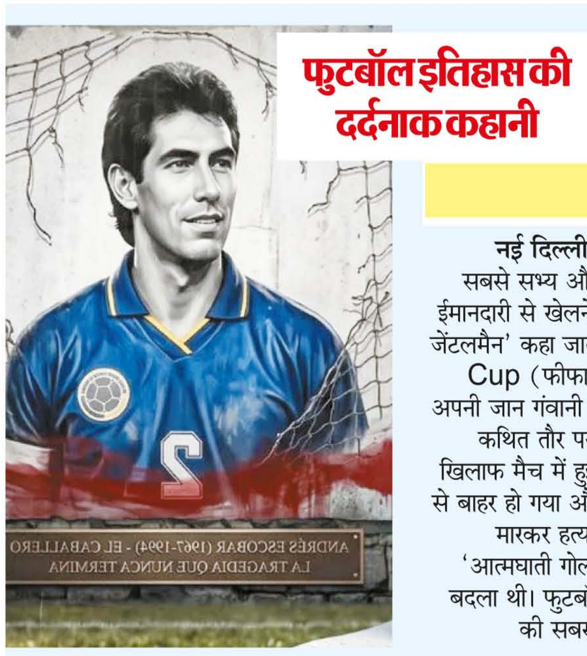

फुटबॉल इतिहास की दर्दनाक कहानी

आत्मघाती गोल और मौत का 'फरमान'

जिसे दुनिया ने 'जेंटलमैन' माना, लेकिन देश बचा नहीं पाया

नई दिल्ली। आंद्रेस एस्कोबार को दुनिया फुटबॉल के सबसे सभ्य और शांत खिलाड़ियों में गिनती थी। मैदान पर ईमानदारी से खेलने और अच्छे व्यवहार की वजह से उन्हें 'द जेंटलमैन' कहा जाता था। हालांकि, 1994 FIFA World Cup (फीफा विश्व कप) में एक गलती के कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। फीफा विश्व कप में आत्मघाती गोल कथित तौर पर उनकी मौत का कारण बना। अमेरिका के खिलाफ मैच में हुई उस गलती के बाद कोलंबिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गया और सिर्फ पांच दिन बाद एस्कोबार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। माना गया कि यह हत्या उसी 'आत्मघाती गोल' और उससे जुड़े सट्टे में हुए नुकसान का बदला थी। फुटबॉल इतिहास की यह घटना आज भी दुनिया की सबसे दर्दनाक खेल घटनाओं में गिनी जाती है।

सामान्य परिवार से निकला फुटबॉल का 'जेंटलमैन'

आंद्रेस एस्कोबार का जन्म 13 मार्च 1967 को कोलंबिया के मेडेलिन शहर में हुआ था। वह एक सामान्य परिवार में पले-बढ़े। स्कूल के दिनों से ही वह फुटबॉल खेलते थे और बाद में यही उनका करियर बन गया। उनके पिता डारियो एस्कोबार बैंकर थे। डारियो एस्कोबार ने एक ऐसा संगठन बनाया था, जो युवाओं को सड़कों पर भटकने के बजाय फुटबॉल खेलने का मौका देता था। उनके भाई सैंटियागो एस्कोबार भी फुटबॉलर रहे। बाद में वह टीम मैनेजमेंट में चले गए।

वर्ल्डकप से लौटने के पांच दिन बाद हत्या

वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद आंद्रेस एस्कोबार ने लास वेगास में अपने रिश्तेदारों से मिलने के बजाय कोलंबिया लौटने का फैसला किया। एक जुलाई 1994 की रात वह अपने दोस्तों के साथ इलाके के एक बार में गए। बाद में वह एक शराब की दुकान और फिर एक नाइटक्लब पहुंचे। कुछ समय बाद उनके दोस्त अलग हो गए। सुबह करीब 3 बजे आंद्रेस एस्कोबार नाइटक्लब के पार्किंग एरिया में अपनी कार के पास पहुंचे थे। आंद्रेस एस्कोबार वहां अकेले थे, तभी तीन लोग वहां पहुंचे और उनसे बहस करने लगे। दो लोगों ने पिस्तौल निकाल ली। आंद्रेस एस्कोबार को 0.38 कैलिबर की पिस्तौल से छह गोलियां मारी गईं।

- **वह आत्मघाती गोल जिसने सब कुछ बदल दिया**- 1994 फीफा वर्ल्ड कप में कोलंबिया का दूसरा ग्रुप मैच मेजबान अमेरिका के खिलाफ था। इसी मुकाबले में आंद्रेस एस्कोबार से वह आत्मघाती गोल हुआ, जो बाद में उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी त्रासदी बन गया। अमेरिकी मिडफील्डर जॉन हार्क्स के क्रॉस को रोकने की कोशिश में आंद्रेस एस्कोबार ने गेंद को गलती से अपने ही गोलपोस्ट में पहुंचा दिया।

संक्षिप्त समाचार

इंसाफ के लिए ब्रिटेन पहुंचा हर्षिता ब्रेला का परिवार ;

लंदन, एजेंसी। दिल्ली की हर्षिता ब्रेला (24) के परिवार ने ब्रिटेन पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। नवंबर 2024 में हर्षिता का शव इल्फर्ड में एक कार की डिक्की में मिला था। पति और मुख्य आरोपी पंकज लांबा हत्या के बाद से ही फरार है। हर्षिता के पिता सतबीर सिंह, मां सुदेश कुमारी और बहन सोनिया डबास कोर्बी उसके घर पहुंचे, जहां उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। सोनिया ने कहा, वे हर कीमत पर न्याय चाहते हैं ताकि फिर किसी और बेटी के साथ ऐसी त्रासदी न हो।

चीन, अमेरिका और यूएई ने दुबई से 276 ठगों को किया गिरफ्तार

दुबई , एजेंसी। चीन, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर दुबई में टेलीकॉम धोखाधड़ी के 276 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। चीनी सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। तीनों देशों के बीच इस तरह का यह पहला संयुक्त ऑपरेशन है। इस कार्रवाई में धोखाधड़ी के नौ अड्डों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरोह पीड़ितों को फर्जी क्रिप्टोकरेंसी निवेश के झांसे में रखकर ठगी करते थे।

श्रीलंकन एयरलाइंस के भारतीय कर्मी पर 2.2 करोड़ गबन का आरोप

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकन एयरलाइंस ने अपने चेन्नई कार्यालय में तैनात कुछ भारतीय कर्मचारियों पर 2.2 करोड़ भारतीय रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। एयरलाइन ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह हेरफेर इनवॉइस, भुगतान विवरण और हस्ताक्षरों में जालसाजी के जरिये किया गया। विमानन कंपनी के अनुसार, वित्त विभाग में कार्यरत इन कर्मचारियों ने एक लंबी अवधि में इस घोटाले को अंजाम दिया।

ताइवान की आजादी का मतलब है कि वह चीन का हिस्सा नहीं : लाई

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि ताइवान की आजादी का अर्थ है कि यह द्वीप न तो बीजिंग का है और न ही उसके अधीन है। केवल ताइवानी लोग ही अपने भविष्य का फैसला कर सकते हैं। लाई की ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच बीजिंग में हुए शिखर सम्मेलन के कुछ दिनों बाद आई हैं। इस शिखर सम्मेलन ने ताइवान में द्वीप को अमेरिकी समर्थन को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

ट्रंप की बॉलरूम परियोजना के प्रस्ताव पर अमेरिकी सीनेट से लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी की व्हाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए बॉलरूम परियोजना के लिए एक अरब डॉलर खर्च करने के प्रस्ताव को तगड़ा झटका लगा है। सांसदों के फैसले के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था के लिए फंडिंग का यह प्रस्ताव प्रक्रियागत नियमों पर खरा नहीं उतरा है। रिपब्लिकन इसे अगले तीन वर्षों के लिए आव्रजन प्रवर्तन एजेंसियों को वित्तपोषित करने वाले एक बजट विधेयक के हिस्से के तौर पर शामिल करना चाहते थे। फैसले में कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप के ईस्ट विंग के नवीनीकरण जैसी बड़ी और जटिल परियोजना का दायरा बेहद व्यापक होने से इसे बजट विधेयक में शामिल नहीं किया जा सकता है। दरअसल, इसका इस्तेमाल रिपब्लिकन बगैर डेमोक्रेट्स के समर्थन के विधेयक पास करने के लिए कर रहे थे, क्योंकि इस विधेयक को पारित करने के लिए किसी भी डेमोक्रेटिक वोट की जरूरत नहीं होती।

अपने एफ-35 लड़ाकू विमानों को और उन्नत करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एफ-35 लाइटनिंग 2 बेड़े के लिए लगभग एक अरब डॉलर का उन्नयन कार्यक्रम शुरू किया है। यह मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध आधुनिकीकरण और संयुक्त स्ट्राइक फाइटर के अमेरिकी सेना और अन्य विदेशी ऑपरेटरों द्वारा संचालित सैकड़ों विमानों में उन्नत युद्ध क्षमता संवर्द्धन पर केंद्रित है। लॉकहीड मार्टिन को एफ-35 लड़ाकू विमानों के 432 संशोधन किटों के उत्पादन और वितरण के लिए 99.11 करोड़ डॉलर का ठेका दिया गया है।

अमेरिका में बड़ा हादसा: एयर शो के दौरान आसमान में टकराए दो लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इदाहो में बड़ा हादसा हो गया है। यहां 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' पर चल रहे एक बड़े एयर शो के दौरान दो अमेरिकी लड़ाकू विमान आपस में टकरा गए। हवा में टकराते ही दोनों जेट्स क्रैश हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमानों के परखच्चे उड़ गए और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। हालांकि विमान में सवार पायलटों के सुरक्षित होने की जानकारी है। हादसे के बाद पूरे एयर बेस को तुरंत बंद कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। इस समय बेस पर 'गनफाइटर स्काइज एयर शो' चल रहा था। दुर्घटनाग्रस्त होने वाले दोनों विमान अमेरिकी नौसेना के एडवांस्ड श्न-18त्न ग्रोवलर फाइटर जेट थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों विमान एयर बेस से करीब दो मील दूर जाकर गिरे, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

कैसे बचे पायलट : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि हवा में टकराते ही दोनों विमान आग का गोला बन जाते हैं। लेकिन राहत की बात यह रही कि विमानों में मौजूद चारों क्रू मेंबर्स समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें आसमान से पैराशूट के जरिए सुरक्षित नीचे उतरते देखा गया। अमेरिकी नौसेना ने भी बाद में पुष्टि की कि चारों क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

8 साल बाद हुआ था शो : रिपोर्ट्स की मानें तो इस भव्य एयर शो का आयोजन पूरे 8 साल बाद किया जा रहा था। इसे देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ जुटी थी। आयोजकों ने करीब दो साल तक इस शो की तैयारी की थी, लेकिन इस खौफनाक हादसे के बाद रविवार को होने वाले सभी आगामी इवेंट्स को रद्द कर दिया गया। वहीं अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

पहले भी हुए हैं हादसे : माउंटेन होम एयर बेस पर पहले भी कई हादसे हुए हैं और इस घटना से उनकी यादें ताजा कर दी हैं। 2018 में यहां एक हैंग ग्लाइडर रनवे पर क्रैश होने से पायलट की मौत हो गई थी। इससे पहले 2003 में यहां एक 'थंडरबर्ड्स जेट' भी क्रैश हो गया था। हालांकि तब पायलट की जान बच गई थी।

हादसे के तुरंत बाद सैन्य अड्डे पर क्या बड़े कदम उठाए गए : इस भयंकर हादसे के होते ही पूरे सैन्य अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। खतरे को भांपते हुए 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' को तुरंत पूरी तरह से बंद (लॉक्ड डाउन) कर दिया गया, ताकि कोई भी अनजान व्यक्ति अंदर या बाहर न जा सके। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल, दमकल गाड़ियां और बचाव कर्मी बिना एक भी पल गंवाए घटना वाली जगह पर पहुंच गए। सेना ने तुरंत अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान जारी करके बताया कि बचाव दल घटना स्थल पर मौजूद है। इसके साथ ही इस बात की बहुत ही बारीकी से जांच शुरू कर दी गई है कि आखिर इतनी बड़ी दुर्घटना कैसे और किसकी गलती से हुई।

विमानों के पायलट और क्रू मेंबर फिलहाल किस हाल में हैं : हवा में हुए इस खौफनाक मंजर को देखकर एयर शो में मौजूद हर एक इंसान बुरी तरह डर गया था। लेकिन सभी के लिए राहत की सबसे बड़ी बात यह है कि सभी पायलट पूरी तरह से ठीक हैं। एयर बेस पर तुरंत लाउडस्पीकर के जरिए यह आधिकारिक घोषणा करके डरे हुए लोगों को बताया गया कि हादसे में शामिल सभी सैनिक पैराशूट की मदद से सुरक्षित जमीन पर आ गए हैं हालांकि, सेना के अधिकारियों ने तुरंत इस बात की पूरी जानकारी मीडिया को नहीं दी कि पैराशूट से कूदने के दौरान किसी को कोई चोट लगी है या नहीं, या फिर दोनों अत्याधुनिक विमानों के आपस में टकराने की असली वजह क्या थी।

हादसे के बाद एयर शो और आम लोगों को लेकर पुलिस ने क्या आदेश दिया : इस डरावने और जानलेवा हादसे के बाद कार्यक्रम आयोजित करने वालों ने कोई भी खतरा न लेते हुए, बचे हुए पूरे एयर शो को तुरंत रद्द कर दिया। माउंटेन होम पुलिस ने भी आसपास रहने वाले सभी स्थानीय लोगों से यह सख्त अपील की है कि वे एयर बेस की तरफ बिल्कुल यात्रा न करें। पुलिस ने कहा कि जब तक सेना का बचाव और राहत का काम चल रहा है, तब तक आम लोगों को इस इलाके से दूर ही रहना चाहिए। आपको बता दें कि यह मिलिट्री एयर बेस इडाहो के बोइस शहर से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व की दिशा में स्थित है।

'ईरान को मदद नहीं देगा चीन, उन्होंने भरोसा दिया है', अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से यह आश्वासन लिया है कि वे ईरान की मदद नहीं करेंगे। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीन से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सीधे हस्तक्षेप की मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का मुख्य फोकस इस बात पर था कि चीन ईरान को किसी तरह की मदद न दे। इस पर चीन की प्रतिबद्धता हमें मिली है और उन्होंने इसकी पुष्टि भी की है।'

'चीन भी होर्मुज जलडमरूमध्य खोलना चाहता है': ग्रीर ने कहा कि चीन की भी होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने में स्पष्ट रुचि है, लेकिन वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं होना चाहता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चीन की सैन्य मदद नहीं चाहते। अमेरिका बस ये सुनिश्चित करना चाहता है कि चीन, अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे कदमों में बाधा न बने।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच टैरिफ को लेकर नहीं हुई कोई बातचीत : पिछले साल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध जारी रहा, लेकिन ट्रंप ने अमेरिका लौटते समय पत्रकारों से कहा कि उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत में टैरिफ का मुद्दा नहीं उठा। इस पर ग्रीर ने कहा कि व्यापार वार्ता जरूर हुई, लेकिन शीर्ष नेताओं के स्तर पर नहीं हुई। ग्रीर ने कहा 'अमेरिका की तरफ से मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और हमारी टीम ने चीनी अधिकारियों से टैरिफ के कई मुद्दों पर बातचीत की। इसलिए राष्ट्राध्यक्षों के बीच इसे लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।'

बोर्ड ऑफ ट्रेड बनाने पर हो रहा विचार : ग्रीर ने बताया कि अमेरिका, चीन के साथ व्यापारिक नियम तय करने के लिए 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' बनाने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने कई अमेरिकी मीट निर्यात इकाइयों से आयात फिर शुरू करने, कुछ बायोटेक व्यापार मामलों की समीक्षा करने और 200 बोइंग विमान खरीदने पर सहमति जताई है। हालांकि चीन ने अभी इन समझौतों की पुष्टि नहीं की है। ग्रीर ने कहा, 'कई ठोस कदम पहले ही शुरू हो चुके हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीन के साथ हमारी रणनीतिक स्थिरता बनी हुई है।'

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना का बड़ा ऑपरेशन, 35 आतंकवादी ढेर, तीन सीनियर कमांडर गिरफ्तार

कराची , एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में एक बड़े खुफिया अभियान को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 35 आतंकवादियों को मार गिराया गया है और तीन हाई-प्रोफाइल वरिष्ठ कमांडरों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान मंगला जरघून क्षेत्र में चलाया गया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार रात क्वेटा में मीडिया को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन 13 मई को शुरू हुआ था। पिछले चार दिनों में 35 आतंकवादी मारे गए हैं। रिंद ने कहा, यह अभियान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान में उसके प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ था। पकड़े गए तीनों कमांडर महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। यह कार्रवाई पहले पकड़े गए आतंकवादियों से मिली खुफिया जानकारी पर आधारित थी। सुरक्षा बलों ने मंगला जरघून घर क्षेत्र में कई आतंकवादी बेस कैंप भी नष्ट कर दिए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि प्रांत में अतिरिक्त अभियान भी चल रहे हैं। ये अभियान विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य इन आतंकवादी तत्वों के सूत्रधारों को पकड़ना है। साथ ही, उनके संचालकों और वित्तीय समर्थकों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। पाकिस्तान सेना ने इस नवीनतम आतंकवाद विरोधी अभियान पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। 12 मई बुधवार को बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक सफाई अभियान के दौरान पांच सैनिक मारे गए थे। इनमें एक मेजर भी शामिल था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, उस अभियान में कम से कम सात आतंकवादी भी मारे गए थे।

चीन में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें तबाह हुई; दो की मौत, कई लापता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी इलाके में सोमवार सुबह भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 रही। भूकंप के चलते कई इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। अब तक भूकंप के चलते दो लोगों की मौत हुई है और एक लापता है। कई इमारतों को खाली कराया गया है। भूकंप के चलते कई इमारतें गिर गई हैं। राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है और तबाह इमारतों में लोगों की तलाश की जा रही है।

कई इमारतें तबाह, हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया : भूकंप के झटके चीन के लिउझोउ शहर में के नजदीक महसूस हुए, जिससे लोगों में डर फैल गया। प्रशासन ने सात हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है और आपात सेवा के कर्मचारी लगातार राहत और बचाव अभियान चलाए हुए हैं। कई लोगों को तबाह इमारतों में फंसे होने की आशंका है। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, भूकंप के झटकों से कम से कम 13 इमारतें तबाह हुई हैं। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन किसी के भी गंभीर घायल होने की खबर नहीं है। घायलों में से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से हुई तबाही के चलते दो लोगों की मौत हुई है। भूकंप के झटकों को देखते हुए इलाके में सार्वजनिक यातायात प्रभावित हुआ है। खासकर रेल यातायात को जांच के बाद ही बहाल किया जाएगा।

भूकंप से गंभीर नुकसान की खबर नहीं : भूकंप से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और पावर लाइंस, पानी की सप्लाई, गैस सेवाएं और रोड ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इमारतों से दूर रहने की सलाह दी है।

7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया : चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक अब तक चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने करीब 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. हालांकि राहत की बात यह रही कि इलाके में बिजली, पानी, गैस सप्लाई और परिवहन सेवाएं सामान्य बनी हुई हैं।

रात में शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन : भूकंप के तुरंत बाद राहत और बचाव एजेंसियां सक्रिय हो गई. रात करीब 2 बजे तक 51 फायर और रेस्क्यू वाहनों के साथ 315 से ज्यादा आपातकर्मी प्रभावित इलाके में पहुंच चुके थे. पुलिस, दमकल और मेडिकल टीमें लगातार मलबे में फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं. स्थानीय प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द नुकसान और हताहतों का सही आंकड़ा जुटाया जाए और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाए. साथ ही आफ्टरशॉक्स पर भी नजर रखी जा रही है।

ईरान के खिलाफ फिर छिड़ेगी जंग? नेतन्याहू और ट्रंप के बीच संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर चर्चा

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर ईरान को लेकर बातचीत हुई। इजरायल के सरकारी टीवी चैनल कान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं ने ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने की संभावना पर चर्चा की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट में एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा गया कि अगर ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू होता है, तो अमेरिका और इजरायल मिलकर हमला कर सकते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बैठक में उन सभी

मोर्चों पर चर्चा हुई, जहां इजरायल इस समय संघर्ष कर रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि 'ईरान के लिए समय तेजी से निकल रहा है। उन्हें जल्द फैसला लेना होगा, नहीं तो उनके पास कुछ भी नहीं बचेगा। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद करीब 40 दिनों तक संघर्ष चला। बाद में 8 अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी थी। युद्धविराम के बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता भी हुई थी। हालांकि, इन बातचीतों से कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका। पिछले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए दोनों पक्षों ने संघर्ष खत्म करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान भी किया है। इस बीच ट्रंप ने फिर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान अमेरिका के साथ शांति समझौता नहीं करता, तो उसे 'बहुत बुरे हालात' का सामना करना पड़ेगा। फ्रांसीसी मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो उसके लिए बहुत मुश्किल समय आने वाला है। उन्हें जल्द कोई डील कर लेनी चाहिए।' ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ तूफानी समुद्र के सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। तस्वीर पर लिखा था, 'तूफान से पहले का सन्नाटा।' इजरायली मीडिया के अनुसार, रविवार को ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान को लेकर बातचीत हुई थी। उसी दौरान नेतन्याहू अपने मंत्रिमंडल के साथ सुरक्षा बैठक भी कर रहे थे।

कनाडा में मिला पहला हंता वायरस संक्रमित मरीज, यात्री आइसोलेशन में; अलर्ट पर स्वास्थ्य एजेंसियां

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में हंता वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है। पब्लिक हेल्थ एजेंसी ऑफ कनाडा (पीएचएसी) ने पुष्टि की है कि ब्रिटिश कोलंबिया में आइसोलेशन में रखे गए एक क्रूज यात्री की रिपोर्ट हंता वायरस पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति के सैंपल को विनिपेग स्थित नेशनल माइक्रोबायोलॉजी लैबोरेटरी भेजा गया था, जहां जांच के बाद शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं संक्रमित यात्री के साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आई है। पीएचएसी ने कहा कि फिलहाल कनाडा में कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया है।

हालांकि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हाई-रिस्क लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि आम लोगों के लिए फिलहाल खतरा कम है। यह संक्रमण पोलर एक्सपीडिशन क्रूज शिप एमवी होंडियस पर फैला था। इस जहाज पर अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक हंता वायरस का इनक्यूबेशन पीरियड एक से आठ सप्ताह तक हो सकता है। ब्रिटिश कोलंबिया की प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने बताया कि संक्रमित यात्री में बुखार और सिरदर्द जैसे हल्के लक्षण

दिखाई दिए थे। दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल मरीज को आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

नीदरलैंड पहुंचेगा संक्रमित क्रूज शिप : इस बीच नीदरलैंड सरकार ने जानकारी दी है कि हंता वायरस से प्रभावित एमवी होंडियस अगले सोमवार को रॉटरडैम पोर्ट पहुंचेगा। जहाज के अधिकांश क्रू मेंबर्स को छह सप्ताह तक क्वारंटीन में रखा जाएगा। डच सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रॉटरडैम को शिपिंग से जुड़े संक्रामक रोगों से निपटने के लिए विशेष पोर्ट के रूप में चुना गया है। क्रूज शिप ऑपरेटर ओशनवाइड एक्सपीडिशन के मुताबिक फिलहाल जहाज पर 27 लोग मौजूद हैं। इनमें 25 क्रू सदस्य और दो मेडिकल स्टाफ शामिल हैं। जहाज पर मौजूद लोगों में फिलीपींस, नीदरलैंड, यूक्रेन, रूस और पोलैंड के नागरिक शामिल हैं। हंता वायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर वायरल संक्रमण है, जो आमतौर पर संक्रमित चूहों और कृन्तकों के संपर्क में आने से फैलता है। इसके शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, शरीर दर्द और सांस लेने में तकलीफ शामिल हो सकती है।

तेल-एलपीजी के बाद अब इंटरनेट पर संकट? होर्मुज में किस नए हथियार के इस्तेमाल की तैयारी में ईरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया युद्ध के बाद से भारत समेत दुनिया के कई देशों में ईंधन संकट पैदा हो गया है। सप्लाई चेन ठप होने की वजह से आयात पर निर्भर देशों में एलपीजी से लेकर पेट्रोल डीजल तक के लिए हाहाकार मचा हुआ है। युद्ध शुरू हुए 2 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन स और ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं है जिसकी वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अब भी बंद पड़ा है। इस बीच ईरान अब एक ऐसे हथियार का इस्तेमाल कर सकता है, जिससे कई देशों में इंटरनेट ठप पड़ सकता है। होर्मुज को ब्लॉक करने के बाद, ईरान ने हाल ही में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स को हथियार बनाने की धमकी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के नीचे बिछी उन केबल्स को निशाना बना सकता है, जिनके जरिए खाड़ी देशों, एशिया और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसफर होता है। वहीं ईरान दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों से इन केबल्स पर 'टोल टैक्स' वसूलने की तैयारी में है। ईरानी रेवलूशनरी गार्ड्स से जुड़े मीडिया और सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोलफघारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी धमकी दी। उन्होंने कहा, 'हम इंटरनेट केबल्स पर शुल्क लगाएंगे।

क्या है ईरान का प्लान : इस प्लान के मुताबिक ईरान गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों से इन केबल्स के इस्तेमाल के लिए भारी-भरकम फीस वसूलेगा। वहीं इन अंडरसी केबल्स की मरम्मत और रखरखाव का काम विशेष रूप से केवल ईरानी कंपनियों को ही दिया जाएगा। ईरान का कहना है कि अगर टेक कंपनियों ने ईरानी कानून को नहीं माना, तो इस रूट के इंटरनेट ट्रैफिक को ठप किया जा सकता है।

होर्मुज के नीचे इंटरनेट लाइफलाइन : जानकारी के मुताबिक इस समुद्री रास्ते के नीचे कई अहम केबल सिस्टम सक्रिय हैं।

एएई-1 (एशिया-अफ्रीका-यूरोप 1): यह नेटवर्क दक्षिण-पूर्व एशिया को मिस्र के रास्ते यूरोप से जोड़ता है।

फाल्कन नेटवर्क: यह भारत और श्रीलंका को खाड़ी देशों, सूडान और मिस्र से जोड़ता है।

गल्फ ब्रिज इंटरनेशनल: यह पूरे खाड़ी क्षेत्र को आपस में जोड़ता है।

क्यों इतने महत्वपूर्ण हैं ये सबसी केबल्स : संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी 'इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन' के अनुसार, दुनिया का 99 फीसदी इंटरनेशनल इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं सबसी फाइबर-ऑप्टिक केबल्स के जरिए चलता है। ये केबल्स यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों की डिजिटल लाइफलाइन हैं, जिन्होंने हाल के सालों में ढ्ढ और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में अरबों डॉलर का निवेश किया है। जियो पोलिटिकल विश्लेषक माशा कोटकिन के मुताबिक, अगर इन केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो इंटरनेट की स्पीड कम हो सकती है, ऑनलाइन बैंकिंग ठप हो जाएगी और वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि केबल्स का फिलहाल कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है। टेलीकॉम रिसर्च फर्म 'टेलीग्राफी' के अनुसार, सैटेलाइट्स कभी भी सबसी केबल्स जितना भारी डेटा लोड नहीं संभाल सकते। एलन मस्क के 'स्टारलिंक' जैसे नेटवर्क एक सीमित समाधान तो हो सकते हैं, लेकिन करोड़ों यूजर्स का ट्रैफिक संभालना इनके बस की बात नहीं है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद पश्चिम एशिया में भीषण जंग छिड़ गई थी। दोनों देशों के बीच 8 अप्रैल को सीजफायर जरूर हुआ लेकिन स्थिति अब भी नहीं संभली है।

संक्षिप्त समाचार

अन्नपूर्णा क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन

चमकता राजस्थान/ अमित चावला /लखनऊ। इनर व्हील की नव निर्वाचित अध्यक्ष कविता अग्रवाल ने अन्नपूर्णा क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन किया। इस एकेडमी का उद्देश्य लड़कों और लड़कियों–विशेष रूप से वंचित वर्ग के बच्चों–के बीच क्रिकेट को बढ़ावा देना और उनके सपनों को पूरा करने में उनकी मदद करना है। इसका संदेश यह है कि बच्चों को मोबाइल और टीवी की 'अंधेरी दुनिया' से बाहर निकलकर अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य तथा फिटनेस को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए; साथ ही, माता-पिता को भी अपने बच्चों को खेलों से जोड़ने की पहल करनी चाहिए।

घाटा नैनवाड़ी में 151 कुंडीय देवनारायण महायज्ञ आज से प्रारंभ, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी करेंगी शिरकत

चमकता राजस्थान/सूरज मल वैष्णव/बौंली। उपखंड की मित्रपुरा तहसील के ग्राम घाटा नैनवाड़ी स्थित देवधाम में 151 कुंडीय देवनारायण महायज्ञ का शुभारंभ बुधवार 21 मई से हो रहा है। महामंडलेश्वर श्री बालकानंद गिरी जी महाराज (आश्रम हरभावता) के पावन सानिध्य में आयोजित इस सात दिवसीय महायज्ञ में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री प्रातः 9 बजे जयपुर से प्रस्थान कर 11:30 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगी। यज्ञ के प्रथम दिवस 11 हजार महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। महायज्ञ के दौरान सातों दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। भंडारे के लिए सैकड़ों हलवाई भोजन तैयार करने में जुटे हुए हैं। प्रसादी वितरण हेतु आसपास के गांवों को दिवसवार जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोजन समिति ने बताया कि महायज्ञ में विभिन्न दिवसों पर प्रदेश की कई राजनीतिक हस्तियां भी सम्मिलित होंगी। मित्रपुरा तहसील क्षेत्र में इसे सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक माना जा रहा है।

कुएं में गिरी गौमाता को गो रक्षा दल ने सकुशल निकाला

चमकता राजस्थान/बृजनगर/ सुरेन्द्र सिंह गुर्जर। उपखंड ब्रज नगर के गांव चिरावल माली में एक गौमाता के कुएं में गिरने की सूचना मिलते ही गो रक्षा दल बृजनगर के जवान तुरंत रेस्क्यू वाहन लेकर मौके पर पहुंचे। ग्रामीण द्वारा गो रक्षा दल के हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दी गई कि गौमाता काफी समय से कुएं में गिरी हुई है तथा प्रशासन को सूचना देने के बाद भी कोई सहायता नहीं पहुंची। सूचना मिलते ही गो रक्षा दल के जवानों ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद गौमाता को सकुशल कुएं से बाहर निकाला। गौमाता सुरक्षित होने पर ग्रामीणों ने गो रक्षा दल का आभार व्यक्त किया। इस दौरान गो रक्षक अक्षय टांक, अंकित वैष्णव, गोविंद तिवारी, निर्मल सैनी सहित गांव के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भाभर जैसलमेर रेल लाइन का सर्वे कार्य पूरा

चमकता राजस्थान/सांवलाराम चौधरी अरणाय/ सांचौर। रेलवे ने जिला जालौर के कलेक्टर को रेल लाइन में आने वाले ग्रामों के भू नक्शे जमीन अधिग्रहण की कार्यवाही हेतु उपलब्ध करवाने के लिए पत्र लिखा है। पत्र में जालौर जिले के चितलवाना ब्लॉक के मेघावा,कुडकी, सुन्टाकोई, सायडा, रामपुरा, चितलवाना, रतनपुरा, हिन्दवाड़ा, लालासर और आमली ग्राम सम्मिलित हैं जहां से रेलवे लाइन का सर्वे किया जा चुका हैं और इन ग्रामों से जमीन अधिग्रहण किया जाएगा वहीं सांचौर ब्लॉक के पालड़ी सोलंकिया, डबाल, अगार, सांचौर, प्रतापपुरा, गरडाली, और गोलासन से रेलवे लाइन निकाली जाएगी।

नए सर्वे ने बहुत ही उचित और अनुकूलित जगहों से रेलवे लाइन निकालने का प्रयास किया है जो कि आम जन के लिए सर्वश्रेष्ठ रूट रहेगा। सांचौर क्षेत्र के बिल्कुल मध्य रेखा की तरह ये लाइन यहाँ के लोगों के लिए, स्थानीय परिक्षेत्र में उद्योग धंधों के लिए और दूरदराज के व्यापारी सबके के लिए बहुत ही लाभदायक साबित होगी। पश्चिमी राजस्थान का सरहदी इलाका भी रेलवे से जुड़ने के कारण रक्षा संसाधनों के परिवहन के लिए भी बहुत उपयोगी सिद्ध होगा वही कई स्थानीय लघु उद्योगों और रोजगार सृजन के विविध आयामों का महत्वपूर्ण स्त्रोत होगा।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत हेलमेट पहनने का दिया संदेश

ब्यावर यूथ संगठन ने निःस्वार्थ सेवकों को हेलमेट भेंट कर किया सम्मान

चमकता राजस्थान

ब्यावर। ब्यावर यूथ संगठन द्वारा सेवा को अपना धर्म मानते हुए आज रेलवे स्टेशन पर चल रही एकम आसरा चैरिटेबल ट्रस्ट की जल सेवा में निःस्वार्थ भाव से सेवा दे रहे सेवकों का हेलमेट भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करना एवं हेलमेट पहनने का संदेश देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सभापति एडवोकेट शशि बाला सोलंकी एवं ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज मंगल सिंह उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में रेलवे प्रबंधक अशोक कुमार आदरा एवं एकम आसरा चैरिटेबल ट्रस्ट के सतपाल सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी मुकेश बंग ने की।

ब्यावर यूथ संगठन अध्यक्ष ब्रिजेश साहू ने बताया कि सभी अतिथियों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत-सत्कार किया गया तथा सड़क सुरक्षा अभियान के तहत निःस्वार्थ सेवकों को हेलमेट वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि हेलमेट केवल नियम नहीं बल्कि हमारी सुरक्षा का कवच है। अब ब्यावर जिला बन चुका है, ऐसे में सभी नागरिकों को ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए हेलमेट अवश्य पहनना चाहिए। हेलमेट पहनने से दुर्घटनाओं में गंभीर चोटों से बचाव संभव है। सभी ने ट्रैफिक नियमों की पालना करने का संकल्प भी लिया।

महिला अध्यक्ष नीलम कंवर राठौड़ ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी युवाओं का आभार व्यक्त किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सभापति एडवोकेट शशि बाला सोलंकी, ब्यावर यूथ संगठन अध्यक्ष ब्रिजेश साहू, ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज मंगल सिंह, रेलवे प्रबंधक अशोक कुमार आदरा, एकम आसरा चैरिटेबल ट्रस्ट के सतपाल सिंह, समाजसेवी मुकेश बंग, महिला अध्यक्ष नीलम कंवर राठौड़, गुरुद्वारा कमेटी सेक्रेटरी मनमोहन सिंह, जीव दया संस्था अध्यक्ष लालचंद सांखला, कपिल सेन, नौरत सोलंकी, सोनु भाई, विजय साहू, कैलाश, अशोक, भगवान भाई, भेरूलाल साहू, भावेश साहू, प्रणव साहू सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर केमिस्टों ने किया प्रदर्शन

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर जिले में दवा विक्रेताओं की एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी सांकेतिक हड़ताल के तहत बुधवार को जिलेभर के समस्त केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं ने संयुक्त रूप से अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और स्थानीय गांधी पार्क में एकत्रित होकर धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। यह हड़ताल ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट तथा राज्य केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संगठन के आ''ान पर आयोजित की गई। इस दौरान जिला केमिस्ट एसोसिएशन

के अध्यक्ष मनोज जैन 'अंकल' ने कहा कि ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के बावजूद विभिन्न ऑनलाइन कंपनियां वर्षों से दवाओं की बिक्री कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बिना वैधानिक प्रावधान एवं बिना चिकित्सकीय परामर्श के घर-घर दवाओं की आपूर्ति की जा रही है, जो पूरी तरह अनुचित एवं अवैध है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा बिना वैध एवं सत्यापित ई-प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं की बिक्री और होम डिलीवरी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। जिला केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव संजय शर्मा ने भी कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट नीति पर रोक लगाई जानी चाहिए, क्योंकि इससे पारंपरिक दवा व्यवसाय प्रभावित हो रहा है।

सभा का संचालन करते हुए मीडिया प्रभारी एवं समाजसेवी धनेश जैन ने कहा कि देशभर के केमिस्ट एवं दवा विक्रेता स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था की मजबूत रीढ़ हैं। कोविड महामारी के कठिन दौर में भी दवा व्यापारियों ने निर्बाध दवा आपूर्ति सुनिश्चित कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस अवसर पर पवन कुमार जैन, रिंकू शर्मा, जितेंद्र त्रिपाठी, नवीन मंगल, संतोष कुमार, सचिन जैन, संजय जैन, मनोज गोयल, रामकुमार बंसल, मनोज शर्मा, सोनू अग्रवाल, गोविंद गोयल, सुनील मित्तल, संतोष मित्तल, शिवम अग्रवाल, अमन रस्तोगी सहित मनिया सुआ का बाग, सरानी खेड़ा एवं अन्य क्षेत्रों के केमिस्ट साथी उपस्थित रहे।

भारत में बेसबॉल को बढ़ावा देने के लिए मेजर लीग बेसबॉल और राइज़ वर्ल्डवाइड की साझेदारी

चमकता राजस्थान/मुंबई। मेजर लीग बेसबॉल ने भारत में बेसबॉल के विस्तार और लोकप्रियता को बढ़ावा देने के लिए राइज़ वर्ल्डवाइड के साथ साझेदारी की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई राइज़ वर्ल्डवाइड इस सहयोग के अंतर्गत प्रचार-प्रसार, सामाजिक माध्यम, व्यावसायिक गतिविधियों तथा अक्टूबर 2026 में मुंबई में प्रत्यक्ष आयोजन का संचालन करेगी, जिससे भारतीय दर्शकों को बेसबॉल का रोमांच निकट से अनुभव करने का अवसर मिलेगा।

यह साझेदारी मेजर लीग बेसबॉल की वैश्विक विस्तार योजना का महत्वपूर्ण चरण मानी जा रही है तथा भारत को उभरते हुए प्रमुख खेल बाज़ार के रूप में स्थापित करती है। वर्ष 2019 में नई दिल्ली में कार्यालय स्थापित करने के बाद से मेजर लीग बेसबॉल विद्यालयों में ''प्रथम पिच'' कार्यक्रम, युवा प्रतियोगिताओं तथा पश्चात सत्र प्रसारणों के माध्यम से खेल को बढ़ावा दे रहा है। इसके साथ ही ''भारतीय बेसबॉल स्वप्न'' जैसे भारत-केंद्रित मौलिक कार्यक्रम भी प्रारंभ किए गए हैं। मेजर लीग बेसबॉल के उप आयुक्त (व्यवसाय एवं माध्यम) नोआ गार्डन ने कहा कि यह साझेदारी भारत में बेसबॉल को नई पहचान दिलाने में सहायक होगी। वहीं राइज़ वर्ल्डवाइड के प्रमुख निखिल बारड़िया ने कहा कि भारत के खेल बाज़ार में बेसबॉल के लिए व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

भीषण गर्मी में आमजन को राहत देने नगर पालिका बाड़ी ने शुरू कराया शहरभर में पानी का छिड़काव

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखंड की खबर। भीषण गर्मी एवं लगातार बढ़ रहे हीटवेव के प्रकोप को देखते हुए आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका बाड़ी द्वारा शहरभर में विशेष अभियान चलाकर मुख्य सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। यह जनहितकारी कार्य जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी एवं उपखंड अधिकारी व प्रशासक भगवत शरण त्यागी के निर्देशानुसार तथा अधिशाषी अधिकारी उत्तम चंद्र बंसल के कुशल निर्देशन में निरंतर संचालित किया जा रहा है। गर्मी के इस भीषण दौर में शहरवासियों को राहत प्रदान करने हेतु नगर पालिका की टीम पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। शहर के प्रमुख मार्गों, बाजारों, चौराहों एवं अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में पानी का छिड़काव कर वातावरण में ठंडक बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। इससे धूल प्रदूषण में कमी आने के साथ-साथ राहगीरों, व्यापारियों एवं आमजन को भीषण गर्मी से राहत मिल रही है। नगर पालिका बाड़ी द्वारा किए जा रहे, इस जनहितकारी प्रयास

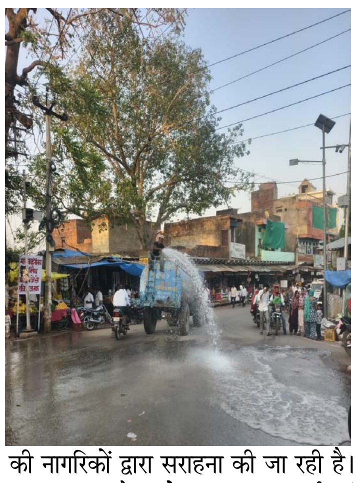

की नागरिकों द्वारा सराहना की जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य केवल साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि हर परिस्थिति में आमजन की सुविधा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देना भी है।

नगर पालिका बाड़ी ने आमजन से अपील की है कि हीटवेव के दौरान आवश्यक सावधानियां अवश्य बरतें। अत्यधिक धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें तथा जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि आमजन की सेवा एवं सुरक्षा के लिए पूरी टीम लगातार कार्य कर रही है।

25वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर विशेष भंडारे का आयोजन किया गया

चमकता राजस्थान/ अमित चावला/ लखनऊ। परिवर्तन चौक पर लगातार चल रहे भंडारे के अवसर पर टाटा मोटर्स में कार्यरत अनूप उपाध्याय और उनकी पत्नी सुमन उपाध्याय ने अपनी 25वी वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष भंडारा कराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, श्रद्धालु और राहगीर उपस्थित रहे। भंडारे के दौरान मानवीय सेवा और समुदाय के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए खाना-सत्कार के साथ-साथ मौसम को देखते हुए ठंडा जल और शरबत की विशेष व्यवस्था भी की गई, ताकि उपस्थित लोगों को राहत मिल सके। आयोजन में स्वेच्छा से सहयोग करने वाले स्वयंसेवक और आयोजक मंच पर मौजूद रहे तथा भीड़ के समुचित प्रबंधन और सफाई का विशेष ध्यान रखा गया।

अनूप उपाध्याय ने कहा, ₹इस वर्षगांठ पर हमें समाज की सेवा का अवसर मिला, जिससे बहुत खुशी हुई।₹ आयोजकों ने भविष्य में भी सामाजिक कल्याण से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

दून पुलिस ने मरीजों की जान पर खेलकर बचाई जान, उत्तराखंड पुलिस का बढ़ाया मान

चमकता राजस्थान/देहरादून ।(दीपक शर्मा बामनवास)। देहरादून के पेनेशिया अस्पताल के क्8व वार्ड में अउ ब्लास्ट से भीषण आग लग गई। जहरीले धुएं व दमघोंटू गैस की परवाह किए बिना देहरादून पुलिस व फायर सर्विस टीम ने तुरंत खिड़कियां-दरवाजे तोड़कर रेस्क्यू अभियान चलाया और दस गंभीर मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला।

जान जोखिम में डालकर मोर्चा संभालने के कारण बचाव कार्य में लगे तीन पुलिसकर्मी (अरकनरेंद्र कुमार, कानि० बृजमोहन रावत व कानि० बृजमोहन कनवासी) ऑक्सीजन की कमी से अस्वस्थ हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी दस घायल मरीजों का भी उपचार जारी है।

अस्पताल के क्8व में पहले से वेंटलेटर सपोर्ट पर चल रही एक बुजुर्ग महिला श्रीमती वीरवती जी (उम्र 60 वर्ष) की इस घटना के दौरान मृत्यु हो गई।

पुलिस अधिकारियों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी जनता की सुरक्षा के लिए हम सदैव तत्पर है।

टिंकू अरोड़ा बोले—'इस सरकार में न्याय मांगना भी पाप'

थाना सदर बाजार में धरने के बाद कश्यप समाज के युवाओं को मिली जमानत

पीड़ित परिवार को लेकर अखिलेश यादव से मिलने लखनऊ रवाना हुईं सांसद इकरा हसन

चमकता राजस्थान

अब्दुल खालिद/सहारनपुर। जनपद के जसाला हत्याकांड में पीड़ित पक्ष और कश्यप समाज के युवाओं को जेल भेजे जाने के मामले में कैराना सांसद इकरा हसन और उनकी टीम जमानत से लेकर रिहाई तक पूरी मजबूती से मैदान में डटी रही, जिसके तहत देर रात थाना सदर बाजार में सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत दिए जाने और सुबह जेल से रिहाई होने तक सांसद स्वयं कश्यप समाज के सैकड़ों लोगों के साथ मौजूद रहीं। वरिष्ठ सपा नेता व पूर्व मंत्री मांगेराम

कश्यप और अन्य पांच कश्यप समाज के युवाओं के जेल से बाहर आने पर सांसद के मामा साजिद चौधरी, वसीम चौधरी और वरिष्ठ सपा नेता व पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया, जहां नेताओं ने कानून व्यवस्था पर तीखे सवाल उठाते हुए कहा कि इस सरकार में विपक्ष के जनप्रतिनिधि के साथ अधिकारियों के पास न्याय की गुहार लगाने जाना भी पाप हो गया है और कानून व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है। सांसद इकरा हसन द्वारा थाना सदर बाजार में देर रात तक धरने पर बैठकर पीड़ित पक्ष को जमानत दिलवाने के बाद ही धरना समाप्त करने की इस पूरी कार्रवाई के बाद, वह पीड़ित परिवार को लेकर सीधे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के लिए लखनऊ रवाना हो गईं, वहीं फैसल सलमानी, सलीम अख्तर, फरहाद गढ़ा और कश्यप समाज के जिला अध्यक्ष मांगेराम कश्यप ने साफ चेतावनी दी कि कश्यप समाज और पीडीए के लोगों पर हो रहा यह अत्याचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस लड़ाई को लखनऊ से लेकर न्यायालय तक पूरी ताकत से लड़ा जाएगा; इस दौरान मोनिश (पुत्र पूर्व सांसद), रोहित कश्यप, रवि कश्यप, राहुल कश्यप, अर्जुन, हेमंत और हरपाल कश्यप सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929